जिसने बदली दिशा जगत् की,
धरती और आकाश की ।
जय बोलो ऋषि दयानन्द की,
जय सत्यार्थ प्रकाश की ।।

।।ओ३म्।।

वर्ष - ५५ अंक - ७
मूल्य : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १००) रु०
आजीवन - १०००) रु०
प्रतिमास ता० १३ को प्रकाशित

आर्य-संसार

आषाढ़: सम्वत् २०७० वि०   जुलाई २०१३

आर्य समाज कलकत्ता का भवन

आर्य समाज कलकत्ता की गतिविधियाँ

आगामी कार्यक्रम

श्रावणी उपाकर्म एवं प्रचार सप्ताह

श्रावण पूर्णिमा से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्यन्त तदनुसार २० अगस्त से २८ अगस्त २०१३ पर्यन्त श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह आर्य समाज कलकत्ता, १९, विधान सरणी, कोलकाता-६ में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जायगा। जिसमें प्रतिदिन प्रातः ७.३० बजे से ९.३० बजे तक यजुर्वेद पारायण यज्ञ एवं सायं ७.३० बजे से ९ तक भजन एवं वेद कथा होगी। इस अवसर पर डा० शिवदत्त पाण्डेय (सुल्तानपुर) जी द्वारा वेद कथा होगी एवं विदुषी बहन श्रीमती अंजु सुमन कवियित्री (समस्तीपुर, बिहार) द्वारा भजनोपदेश होगा।

इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है **मन्त्री–आर्य समाज कलकत्ता**

शुद्धि समाचार :—शमा यास्मीन आयु २४ वर्ष ने आर्य समाज कलकत्ता में दिनांक ९.६.२०१३ को इस्लाम मत त्यागकर स्वेच्छा से वैदिक धर्म ग्रहण किया। शुद्धि संस्कार पं० योगेशराज उपाध्याय जी पौरोहित्य में सम्पन्न हुआ। शुद्धि संस्कार के प्रश्चात् इनका नाम रागिनी जायसवाल रखा गया।

शोक समाचार :—(१) आर्य जगत् के उद्भट विद्वान् डा० रामनाथ वेदालंकार जी का ९९ वर्ष की आयु में ८ अप्रैल २०१३ को निधन हो गया है। आप आर्य जगत् के सुप्रसिद्ध विद्वान् थे। आपका जन्म ७ जुलाई १९१४ को ग्राम फरीदपुर, बरेली (उ० प्र०) में हुआ था। आपके निधन से आर्य जगत् को एक अपूरणीय क्षति हुयी है।

(२) आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की सदस्या श्रीमती कुसुम कपूर जी की सास तथा आर्य समाज कलकत्ता की पूर्व सदस्या एवं वर्तमान में आर्य समाज मध्य कलकत्ता की सदस्या श्रीमती विमला कपूर जी का लगभग ८८ वर्ष की आयु में दिनांक १०-५-२०१३ को निधन हो गया है।

(३) आर्य समाज कलकत्ता के पुरोहित पं० वेद प्रकाश शास्त्री जी की भाभी श्रीमती रेणुका राय का आकस्मिक निधन लगभग ६४ वर्ष की आयु में दिनांक १७-५-२०१३ को हो गया है। आप आर्य समाज मालिग्राम, प० मेदिनीपुर की सदस्या थीं।

(४) आर्य समाज कलकत्ता के पूर्व सदस्य एवं आर्य समाज कलकत्ता द्वारा संचालित रघुमल आर्य विद्यालय के अवकाश प्राप्त अध्यापक एवं पूर्व टीचर इन्चार्ज श्री अनिरुद्ध राय जी का निधन दिनांक १२ मई, रविवार को प्रातःकाल हो गया है।

(५) आर्य समाज कलकत्ता के सदस्य श्री धर्मदेव सिंह जी की माता जी का निधन दिनांक ३०-५-२०१३ दिन मंगलवार को लगभग ८५ वर्ष की आयु में उनके निवास स्थान खुसरुपुर (जिला पटना) में प्रातः ५ बजे हो गया है।

(६) आर्य समाज कलकत्ता के पूर्व सदस्य श्री राजाराम जायसवाल जी का निधन रविवार दिनांक ९-६-२०१३ को प्रातः उनके निवास पर लगभग ८४ वर्ष की आयु में हो गया है

आर्य समाज कलकत्ता के दिनांक क्रमशः १४-४-२०१३, १२-५-२०१३, १९-५-२०१३, ९-६-२०१३ एवं १६-६-२०१३ के रविवारीय साप्ताहिक सत्संग पर एकत्रित समस्त आर्य जनों ने दिवंगत आत्माओं के प्रति हार्दिक शोक प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए तथा शोक सन्तप्त परिवार को वियोगजन्य दुःख को सहन करने की क्षमता प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ओ३म्

आर्य-संसार

वर्ष ५५ अंक — ७

आषाढ़-२०७० वि०

दयानन्दाब्द १८९

सृष्टि सं० १,९६,०८,५३,११४

जुलाई— २०१३

मूल्य : एक प्रति १० रुपये

वार्षिक : १०० रुपये

आजीवन : १००० रुपये

सम्पादक :

प्रो० उमाकान्त उपाध्याय,

एम. ए.

सह सम्पादक :

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल

सहयोगी सम्पादक :

श्रीमती सरोजिनी शुक्ला

श्री सत्य प्रकाश जायसवाल

पं० योगेश राज उपाध्याय

इस अंक की प्रस्तुति

१.	इस अंक की प्रस्तुति	३
२.	यज्ञमय जीवन सफल जीवन —प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४
३.	मन्त्रीजी का प्रतिवेदन, मन्त्री—श्री सत्यप्रकाश जायसवाल	७
४.	स्थिर निधियां	२४
५.	आर्य समाज कलकत्ता का १ अप्रैल २०१२ से ३१ मार्च २०१३ तक का आय व्यय विवरण	२७
६.	आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण	३५
७.	वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण	३८
८.	आर्य स्त्री समाज कलकत्ता का आय-व्यय विवरण	४१
९.	आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) का आय-व्यय विवरण	४२
१०.	आर्य समाज कलकत्ता के २०१२-२०१३ के सभासदों की सूची	४३
११.	१२७ वें वार्षिकोत्सव के दानी दाताओं की सूची	४५

प्रकाशक :

मनीराम आर्य
प्रधान

सत्यप्रकाश जायसवाल
मंत्री

आर्य समाज कलकत्ता

१९, विधान सरणी, कोलकाता-७०० ००६, दूरभाष : २२४१-३४३९

email : aryasamajkolkata@gmail.com

'आर्य संसार' में प्रकाशित लेखों का उत्तरदायित्व सम्बन्धित लेखकों पर है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कोलकाता ही होगा।

यज्ञमय जीवन, सफल जीवन

मह्यं यजन्तु मम यानि हव्याकूतिः सत्या मनसो मे अस्तु ।
एनो मानिगां कतमच्च नाहं विश्वे देवासो अधि वोचता नः ।। ऋ० १०-१२८-४

शब्दार्थ :–

मह्यम्	=	मेरे लिए	मा	=	नहीं
यजन्तु	=	यज्ञशील, हितकारी हों	निगाम्	=	प्राप्त होऊँ, करूँ
मम	=	मेरे	कतमच्चन	=	किसी भी अवस्था में
यानि	=	जो			
हव्या	=	हव्य, सद्गुण	अहम्	=	मैं
आकूतिः	=	चिन्तन विचार	विश्वे	=	सभी
सत्या	=	सत्य	देवासः	=	देव, विद्वान्
मनसः	=	मन का	मे	=	मेरा
अस्तु	=	होवे	अधिवोचत	=	उपदेश-आदेश दें
एनः	=	पाप	नः	=	हमलोगों को

भावार्थ :– मेरे गुण हव्य होकर संसार के लिए हितकारी हों । मेरा चिंतन-मनन यज्ञशील और सत्य होवे । किसी भी परिस्थिति में हमसे पाप कर्म न हों, ऐसा उपदेश-आदेश हमें विद्वानों से प्राप्त हो ।

व्याख्यान विन्दु :

१. **यज्ञशील जीवन की विशेषता ।**
२. **हमारे व्यवहार में संसार का हित हो, और चिन्तन में सत्य हो ।**
३. **यज्ञशील की शर्त है कि सत्य में हित हो ।**
४. **विद्वानों के आदेश-उपदेश इसी भाव से सम्पन्न हों।**

व्याख्या

यज्ञ करने के पश्चात् आर्यजन एक प्रार्थना करते हैं—

'यज्ञ जीवन का हमारे श्रेष्ठ सुन्दर कर्म है ।
यज्ञ का करना कराना आर्यों का धर्म है ।।'

प्रस्तुत मन्त्र का सन्देश है कि हम अपने जीवन को यज्ञशील बनावें और हमारा जीवन पापरहित हो।

भगवान कृष्ण ने 'गीता' में कहा है-

''नायं लोकोस्ति अयज्ञस्य''

अर्थात् जिनका जीवन यज्ञशील नहीं है, जिनके जीवन में यज्ञ नहीं होता, वे इस जीवन में सफल नहीं होते । यज्ञ का अर्थ केवल अग्नि जलाकर आहुतियां देना मात्र ही नहीं हैं । वह तो संसार के कल्याण और परोपकार का एक बहुत बड़ा साधन है ही । यज्ञ का अर्थ बड़ा व्यापक है । यज्ञशील जीवन में तीन बातें अवश्य होती हैं —

(१) **देवपूजा**-अर्थात् जो पूज्य हैं उनका मान, सम्मान , सत्कार अवश्य होना चाहिए । हमारे माता-पिता, गुरुजन, विद्वान्, वृद्ध-असमर्थ सब हमारे पूज्य हैं । इनका सम्मान करना, इनको आदर देना, इनको श्रद्धा-पूर्वक प्रणाम करना देवपूजा है । श्रद्धा-पूर्वक प्रणाम में भी बड़े लाभ हैं-

अभिवादन शीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः ।
चत्वारि तस्य बर्धन्त आयुर्विद्या यशो बलम् ।।

जो अभिवादनशील होते हैं, जिनके स्वभाव में बेगार नहीं, श्रद्धापूर्वक अभिवादन रहता है, उनके जीवन में चार चीजों की वृद्धि हो जाती है-आयु,विद्या, यश और बल । यज्ञशील जीवन में देवपूजा पहला कर्त्तव्य है । देवपूजा में केवल प्रणाम और सेवा ही नहीं है, इसमें आदर सम्मान भी आवश्यक है ।

(२) **संगतिकरण-** संसार में जहां भी संगतिकरण होगा वहाँ कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। किसी भी कार्य में एकाधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का योग होता है । उनको उचित मात्रा में मिला दें तो वह संगतिकरण होता है । कितनी दाल में कितना नमक, कितना पानी, कितना उबालना, यह सब संगतिकरण होता है । सेना में संगतिकरण होता है । भीड़ मे विसंगतिकरण होता है। सेनायें बड़ा-बड़ा कार्य कर डालती हैं और लोगों की भीड़ खाली हल्ला मचाती है, काम कुछ नहीं कर पाती, क्योंकि भीड़ में संगतिकरण नहीं है। भोजन-निर्माण से लेकर वैज्ञानिक आविष्कारों तक सर्वत्र संगतिकरण है । हमारे जीवन में भी, हमारे पहनावे में भी संगतिकरण है। मोजा सिर पर नहीं पहना जाता, टोपी पैर में नहीं पहनी जाती । यह सब संगतिकरण है । यज्ञ में संगतिकरण आवश्यक अंग है ।

(३) **दान**-यज्ञ का तीसरा आवश्यक अंग दान करना है । जल-दान, अन्न-दान, वस्त्र-दान से लेकर ज्ञान-दान पर्यन्त सभी दान ही हैं । सेवा करना भी बड़ा भारी दान है, किन्तु सबसे बड़ा दांन ज्ञान-दान है । भगवान् श्रीकृष्ण कहते हैं-

''श्रेयान् द्रव्यमयात् यज्ञात् ज्ञानयज्ञः परन्तप ।''

हम ज्ञान दें, ज्ञान के लिये संगतिकरण करें । कथा, वार्ता सब ज्ञान यज्ञ ही हैं, और यह द्रव्य यज्ञों से बढ़कर है ।

मन्त्र में कहा गया है कि मेरा हव्य, आहुति संसार के हित के लिये हो । संसार का हित कब होगा ? जब हमारे मन में सत्य ही उठे । वाणी में सत्य हो और मन में भी सत्य हो । मनसा, वाचा, कर्मणा हमारे दान में सत्य का ही आश्रय हो । हम अपना कार्य सिद्ध करने के लिए, स्वार्थ के लिए दान न करें ।

दान किया व्यर्थ नहीं जाता —

ऋतु वसंत याचक भया हरषि दिया द्रुम पात ।

ताते नव पल्लव भया दिया दूर नहिं जात ।।

कवि बड़ी प्यारी सी कल्पना करता है । वसन्त ऋतु ने पेड़ से याचना की कि दानी पेड़ ! हमें भी कुछ दो। पेड़ ने वसंत को अपने पुराने पीले पत्ते बड़े प्यार से दे दिये और एक-एक पत्ते की जगह नये सुनहले अनेक पत्ते और कोपलें उसके पास लौट आईं। कवि कहता है कि दिया हुआ दान नष्ट नहीं होता, हमें और अधिक मिलता है ।

मन्त्र में कहा है कि हमारे विद्वान, हमारे गुरुजन हमें ऐसा आदेश और उपदेश दें कि हम जीवन में कभी पाप के मार्ग में न जायें । न मन में पाप विचार आवें, न पाप वचन बोलें, न पाप कर्म करें ।

पाप के आने के मार्ग क्या हैं ? हमारे जीवन में प्रायः एषणाओं से पाप आते हैं । तीन तरह की एषणायें बताई गई हैं-

(१) **पुत्रैषणा**-यह काममय जीवन का प्रतीक है । हमारे जीवन के कार्य काम से प्रेरित न हों । हमें काम- वासना तथा कामनाओं पर नियन्त्रण हो ।

(२) **वित्तैषणा**-धन के लिए हम पागल न बनें रहें । हमारे जीवन में धन आवे जरूर, किन्तु हममें धन के प्रति इतना लोभ न जगे कि हम पाप कर बैठें ।

(३) **लोकैषणा -** पाप का तीसरा मार्ग लोकैषणा भी है । संसार में हमारी प्रसिद्धि हो, लोग हमें बड़ा समझें, या हमें विद्वान् समझें । इस एषणा से भी पाप बढ़ता है ।

हम कोई संसार त्यागी संन्यासी तो हैं नहीं । हम तो साधारण मनुष्य हैं । हममें पुत्रैषणा सन्तान की कामना, वित्तैषणा-धन की कामना, और लोकैषणा—संसार में प्रसिद्धि सुनाम सबकी आकांक्षा रहना स्वाभाविक है । मन्त्र का उपदेश है कि हमारे जीवन की ये उपलब्धियाँ, संतान, धन और सुनाम हमारे हित के लिए हों । हमारी सन्तान सुसन्तान हो, वे हमारी सेवा तो करें ही, संसार की सेवा में भी हाथ बंटावें । इसी तरह हमारी सम्पत्ति हमारे स्वार्थ को तो पूर्ण ही करे, साथ ही संसार के हित में भी लगे। ऐसे ही हमारी ख्याति से भी लोगों के जीवन में सुधार हों। यही है जीवन की उपलब्धियों को संसार के हित में हम आहुति बनाकर होम कर दें अपने जीवन के यज्ञ में व्यय कर दें ।

मन्त्र में प्रार्थना यह है कि हमको विद्वान् ऐसा ही उपदेश दें जिससे हमारा जीवन पापमय न हो किन्तु परमार्थमय अवश्य हो।

साभार : वेद-वीथिका

।।ओ३म्।।

आर्य समाज कलकत्ता
का संक्षिप्त विवरण एवं स्थायी क्रिया-कलाप

आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना १८८५ ई० में हुई थी और स्थापना में ही यह प्रकट हो गया था कि इस समाज का भविष्य बड़ा उज्जवल है। आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधान राजा तेजनारायण जी थे। श्री तेजनारायण जी भागलपुर के रईस थे, अच्छे सम्पन्न थे और सम्पन्नता के साथ ही बड़े उदार हृदय के व्यक्ति थे। संस्थापक उपप्रधान जस्टिस पंडित शम्भूनाथ जी पण्डित के सुपुत्र पण्डित शंकरनाथ जी थे। पण्डित शंकरनाथ जी सम्पन्न तो थे ही, उच्च कोटि के विद्वान् और लेखक भी थे। राजा तेजनारायण और पण्डित शंकरनाथ का साथ-साथ प्रधान-उपप्रधान निर्वाचित होना मणि-कांचन जैसा सुयोग था। आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधान मंत्री बाबू महावीर प्रसाद जी निर्वाचित हुए। बाबू महाबीर प्रसाद जी राजा तेजनारायण जी के व्यवसाय और जमीनदारी का दायित्व कोलकाता में सम्भालते थे।

प्रगति के चरण:—आर्य समाज कलकत्ता अपने स्थापना काल से ही प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहा। प्रारम्भ में ही आज से १२७ वर्ष पूर्व आर्यावर्त्त प्रेस स्थापित किया गया। इसके लिए राजा तेजनारायण जी ने २० हजार रुपये और पण्डित शंकरनाथ जी ने अपने निवास स्थान में दो कमरे दिए थे। उस आरम्भिक काल में भी आर्य समाज कलकत्ता ने आर्यावर्त्त नाम का एक पत्र प्रकाशित करना आरम्भ किया। पण्डित रुद्रदत्त शर्मा सम्पादकाचार्य इस पत्र के प्रथम सम्पादक नियुक्त हुए। राजा तेजनारायण जी ने १० हजार रुपये की सहायता देकर श्री देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय को स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की जीवनी लिखने के लिए सामग्री संचय के निमित्त प्रदान किया। आज १२७ वर्षों बाद ये १०, २० हजार रुपये आज कितने लाख हुए यह किसी के भी अनुमान का विषय हो सकता है। आरम्भ से ही आर्य समाज कलकत्ता के अधिकारी और कार्यकर्त्ता आर्य समाज कलकत्ता को प्रगति के पथ पर अग्रसर किये जा रहे हैं। पिछले सवा सौ वर्षों के सुदीर्घ काल में प्रगति के निम्न चरण उल्लेखनीय हैं। एक सूची निम्न प्रकार की जा सकती है—

(१) आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना	१८८५ ई०
(२) आर्य कन्या विद्यालय की स्थापना	१९०२ ई०
(३) आर्य समाज मंदिर की भूमि का क्रय	१९०७ ई०
(४) आर्य कन्या विद्यालय के लिए मकान का क्रय	१९०९ ई०
(५) आर्य समाज मन्दिर का निर्माण	१९१० ई०
(६) आर्य समाज कलकत्ता की रजत-जयन्ती	१९१० ई०
(७) आर्य महिला शिक्षा मंडल ट्रस्ट की स्थापना	१९३५ ई०

(८) आर्य समाज कलकत्ता की स्वर्ण जयन्ती	१९३५ ई०
(९) आर्य विद्यालय की स्थापना	१९३६ ई०
(१०) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए रानी बिड़ला भवन का निर्माण	१९३७ ई०
(११) आर्य स्त्री समाज की स्थापना	१९५२ ई०
(१२) महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय	१९५९ ई०
(१३) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए दूसरे भवन का निर्माण	१९५५ ई०
(१४) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला	१९५७ ई०
(१५) आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन	१९५९ ई०
(१६) आर्य समाज कलकत्ता की हीरक जयन्ती	१९६१ ई०
(१७) रघुमल आर्य विद्यालय के लिए भवन का निर्माण	१९६२ ई०
(१८) ऋषि जीवन पर म्यूराल पेन्टिंग (गैलरी में)	१९६६ ई०
(१९) आर्य विद्यालय ट्रस्ट की स्थापना	१९६७ ई०
(२०) आर्य कन्या महाविद्यालय की हीरक जयंती (७५ वर्ष)	१९७७ ई०
(२१) सुवा देवी पोद्दार हाल का निर्माण	१९७८ ई०
(२२) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला दूसरा तल्ला	१९७८ ई०
(२३) आर्य समाज कलकत्ता की शताब्दी	१९८५ ई०
(२४) रघुमल आर्य विद्यालय की स्वर्ण जयंती	१९८६ ई०
(२५) आर्य कन्या महाविद्यालय की शताब्दी	२००२ ई०
(२६) आर्य समाज मन्दिर की छत पर हॉल का निर्माण	२००८ ई०
(२७) आर्य संसार मासिक पत्र की स्वर्ण जयन्ती	२००९ ई०
(२८) आर्य समाज कलकत्ता का द्वितीय शताब्दी रजत-जयन्ती	२०१० ई०
(२९) लिफ्ट का निर्माण	२०१२ ई०
(३०) आर्य गौरव (बंग) भाषा में) मासिक पत्र का प्रकाशन	२०१३ ई०

प्रगति के इन चरणों पर विहंगम दृष्टि डालने से किसी भी संस्था को अपनी प्रगति से संतोष का अनुभव होना स्वाभाविक है । इस समय आर्य समाज कलकत्ता कई प्रकार के जनसेवा के कार्यों का संचालन कर रहा हैं, जिसका विवरण निम्न हैं ।

महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय :– महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय का आरम्भ प्रसिद्ध आर्य महा उपदेशक ठाकुर अमर सिंह जी ने १९५९ ई० में प्रारम्भ किया । ठाकुर अमर सिंह जी कुशल मिशनरी की तरह आयुर्वेद का भी अच्छा ज्ञान रखते थे । उस समय आर्य समाज कार्यालय के प्रभारी

आयुर्वेद भास्कर श्री दिनेश चन्द्र शर्मा थे । इनके सहयोग में श्री अमृत नारायण झा सहयोगी वैद्य का कार्य करने लगे । वर्तमान में इस औषधालय के अनुभवी चिकित्सक वैद्य श्री अमृत नारायण झा हैं । आर्य समाज के विशाल भवन में प्रवेश करते ही प्रथम खण्ड में बायीं ओर महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय और दाहिनी ओर आर्य समाज कलकत्ता का पुस्तकालय है । औषधालय प्रतिदिन प्रातः काल ७.३० बजे से १० बजे तक खुला रहता है और प्रतिदिन औसत में ६०-७० रोगी लाभ उठाते हैं । इस वर्ष औषधालय पर लगभग एक लाख रुपया का वार्षिक व्यय है ।

होमियोपैथिक चिकित्सा :—प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को सायं काल ७ बजे से ८ बजे तक डा० हरिशंकर ठाकुर निःशुल्क होमियोपैथी चिकित्सा करते हैं । रोगियों की चिकित्सा और औषधि वितरण निःशुल्क किया जाता है ।

नेत्र चिकित्सा विभाग :–आर्य समाज कलकत्ता की युवा शाखा के तत्वावधान में प्रत्येक सोमवार को ११ बजे से १२ बजे तक रोगियों का नेत्र परीक्षण और चिकित्सा डा० शौभिक घोष की देख-रेख में निःशुल्क करने की व्यवस्था है । आवश्यक्ता होने पर रोगियों को चश्मा भी निःशुल्क दिया जाता है ।

प्याऊ की व्यवस्था :– विगत लगभग २०-२५ वर्षों से आर्य समाज मन्दिर के सामने आर्य समाज कलकत्ता की व्यवस्था में श्रीमती महादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से एक सुन्दर प्याऊ की व्यवस्था चल रहा है । दुर्गापूजा के समय सप्तमी से विजयादशमी तक प्रतिदिन सांयकाल ७ बजे से रात्रि १२ बजे तक प्याऊ की व्यवस्था युवा शाखा की ओर से की जाती है । आर्य समाज कलकत्ता के द्वितीय शताब्दी रजत जयन्ती समारोह के अवसर पर स्थापना के १२५ वें वर्ष में मशीन द्वारा शीतल जल की व्यवस्था श्री शिवकुमार एवं श्रीमती सुनीता देवी जायसवाल द्वारा लगवाया गया तथा प्याऊ का पुनरूद्धार किया गया ।

आर्य समाज कलकत्ता के मुख्य क्रिया कलाप–आर्य समाज कलकत्ता एक सक्रिय समाज है उसके कई प्रोग्राम स्थायी रूप से सम्पूर्ण वर्ष चलते रहते हैं ।

दैनिक यज्ञ :–सम्पूर्ण वर्ष प्रतिदिन प्रातः काल अनिवार्य रूप से दैनिक देव यज्ञ का कार्यक्रम रहता है । इस दैनिक यज्ञ में समाज का कोई न कोई विद्वान् सम्मिलित होता है । ३-४ विद्वान् आर्य समाज के भवन में ही निवास करते हैं, अतः यह दैनिक यज्ञ प्रायः विद्वानों के देख-रेख में होता है । आर्य समाज के भवन में रहने वाले सभी लोग और आर्य समाज के अतिथिशाला में अतिथि लोग दैनिक यज्ञ में सम्मिलित होते हैं ।

साप्ताहिक सत्संग :– आर्य समाज कलकत्ता का साप्ताहिक सत्संग प्रति रविवार प्रातः काल ८.३० से ११.४५ बजे तक होता है । प्रातः ८.३० से ९.३० बजे तक यज्ञ का कार्यक्रम श्री पंडित नचिकेता भट्टाचार्य के द्वारा सम्पन्न कराया जाता है, यह साप्ताहिक यज्ञ बड़ा जनप्रिय है । इसमें लगभग ६०-७० व्यक्ति उपस्थित होते हैं । यज्ञ के पश्चात् प्रसाद और प्रातराश की व्यवस्था समाज की ओर

से होती है । यज्ञ के पश्चात् सत्यार्थ प्रकाश की कथा, भजन, संगीत और मुख्य प्रवचन की व्यवस्था रहती है । आर्य समाज कलकत्ता के पण्डितगण—पण्डित आत्मानन्द शास्त्री, पण्डित देवनारायण तिवारी, और पण्डित कृष्णदेव शास्त्री की सेवाएँ उपलब्ध रहती है । सत्यार्थ प्रकाश की कथा बहुधा पण्डित आत्मानन्द शास्त्री करते हैं । भजन और संगीत में आर्य समाज के सदस्यों का सहयोग तो रहता ही है साथ ही प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री पण्डित कैलाशचन्द्र 'कर्मठ' संगीत और भजन प्रस्तुत करते हैं। सत्संग में मुख्य प्रवचन पण्डित देवनारायण तिवारी, आचार्य ब्रह्मदत्त जी एवं पं० योगेशराज उपाध्याय जी का होता है । कोलकाता जैसे महानगर में कई बार बाहर से विद्वान् संन्यासी उपस्थित हो जाते हैं उनके प्रवचन से भी समाज को लाभ होता है ।

आर्य स्त्री समाज कलकत्ता का साप्ताहिक सत्संग–आर्य स्त्री समाज का सत्संग प्रत्येक बुधवार को अपरान्ह ३ बजे से ५.३० बजे तक यज्ञ, वेद-पाठ, संध्या, भजन, उपदेश आदि का कार्यक्रम रहता है । आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग पण्डित नचिकेता भट्टाचार्य जी की देख-रेख में होता है ।

आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की स्थापना सन् १९५२ ई० में **माता वीरावाली मनचन्दा एवं माता विद्यावती सभरवाल** आदि माताओं के प्रेरणा एवं प्रयास से आर्य समाज कलकत्ता की छत्र-छाया में हुयी । प्रारम्भ में स्त्री समाज के कार्यों की देख-रेख आर्य समाज कलकत्ता के अधिकारीगण एवं विद्वान् करते थे । उसके पश्चात् पं० प्रियदर्शन सिद्धान्तभूषण जी के सानिध्य में स्त्री समाज का सत्संग चलने लगा । पूर्व मंत्रिणी श्रीमती सुमना आर्या जी ने अपनी निष्ठा एवं लगन से स्त्री समाज में गति प्रदान की जिससे सदस्याओं की संख्या बढ़ती गयी । वर्तमान में स्त्री समाज की प्रधाना श्रीमती सन्तोष गोयल एवं मंत्रिणी श्रीमती प्रवीणा जायसवाल हैं । इस समय सदस्याओं की संख्या लगभग ६० हैं । आर्य स्त्री समाज द्वारा बालक सत्संग पुनः प्रारम्भ किया गया है ।

आर्य समाज कलकत्ता के वार्षिकोत्सव पर महिला सम्मेलन के अवसर पर स्त्री समाज द्वारा अपने वयोवृद्ध सदस्याओं में से किसी एक सदस्या का सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है । आर्य स्त्री समाज कलकत्ता द्वारा पारिवारिक सत्संग भी आयोजित किया जाता है जिसमें महीने में एक दिन किसी न किसी सदस्या के घर पर सत्संग होता है । स्त्री समाज की सदस्यायें दान देने में भी सदैव अग्रणी रहती हैं ।

बाल सत्संग

बाल सत्संग—२६ जून २०११ से पं० नचिकेताजी भट्टाचार्य जी की प्रेरणा एवं आर्य स्त्री समाज कलकत्ता के सहयोग से बाल सत्संग पुनः प्रारम्भ हुआ । बाल सत्संग प्रत्येक रविवार को प्रातः ९.३० बजे से १२ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में चलता है । बाल सत्संग पं० वेद प्रकाशजी शास्त्री के सानिध्य में चल रहा है जिसमें सन्ध्या, यज्ञ, भजन, मन्त्रपाठ, नैतिक शिक्षा तथा वैदिक सिद्धान्तों की शिक्षा प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त बच्चों को ड्राइंग तथा वाद्य यन्त्रों के साथ भजन गायन का अभ्यास कराया जाता है । बाल सत्संग में ४०-५० बच्चे उपस्थित होते हैं । बाल सत्संग के संचालन में श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, श्री शिवकुमार जायसवाल तथा श्री सुरेश अग्रवाल सक्रिय सहयोग प्रदान करते हैं ।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :–आर्य समाज मन्दिर में प्रवेश करते ही दक्षिण पार्श्व में समाज का अपना वाचनालय है जिसके खुलने का समय प्रातः ८ बजे से ११ बजे तक तथा सायं ६ बजे से ८ बजे तक है । वाचनालय में देश में प्रकाशित विभिन्न भाषाओं के समाचार पत्रों एवं सांस्कृतिक प्रत्रिकाओं के पठन-पाठन की सुव्यवस्था है ।

पुस्तकालय में सहस्त्रों पुस्तकें हैं । आर्य समाज कलकत्ता में आरम्भ से ही पुस्तकालय रहा है । इसमें महत्वपूर्ण पुस्तकें क्रय करके दी जाती रही हैं । पुस्तकालय में इच्छुक सदस्यों को स्वाध्यायार्थ पुस्तकें देने की भी व्यवस्था है ।

बंगला साहित्य प्रचार

आर्य समाज के सिद्धान्तों एवं वैदिक धर्म प्रचारार्थ आर्य समाज कलकत्ता द्वारा समय-समय पर बंगला पुस्तकों का प्रकाशन एवं वितरण किया जाता है। इसके अतिरिक्त और भी लघु पुस्तिका (ट्रैक्ट) का प्रकाशन होता है । वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट द्वारा बंगला भाषा में सत्यार्थ प्रकाश का प्रकाशन इस वर्ष पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी के सम्पादकत्व में किया गया है। प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा लिखित पुस्तक वेद क्यों और क्या ? तथा प्रो० उमाकान्त उपाध्याय जी द्वारा लिखित पुस्तक श्राद्ध और तर्पण का बंगला भाषा में अनुवाद किया है पं० वासुदेव शास्त्री (जयपुर) ने । इन दोनों पुस्तकों का विमोचन आर्य समाज कलकत्ता के १२७ वें वाषिकोत्सव पर किया गया । आचार्य पं० उमाकान्त उपाध्यायजी द्वारा लिखित पुस्तक **वेद और स्वामी दयानन्द** जिसका बंगानुवाद किया है पं० वासुदेव शास्त्री (जयपुर) जी ने, का प्रकाशन आर्य समाज कलकत्ता द्वारा किया गया ।

साहित्यिक कार्य

आर्य समाज कलकत्ता ने प्रारम्भ से ही पर्याप्त साहित्यिक कार्य किया है । प्रारम्भ में श्री गोविन्दराम हासानन्द जी आर्य समाज के पुस्तकाध्यक्ष और मन्त्री के पदों पर थे । उस समय ही साहित्यिक सेवा का कार्य प्रारम्भ हुआ, वह निरन्तर बढ़ता ही गया । पं० अयोध्या प्रसाद, पं० रमाकान्त शास्त्री, ठाकुर अमर सिंह आर्य पथिक एवं पं० प्रियदर्शन जी द्वारा अनेकानेक साहित्य का सृजन किया गया । आचार्य पं० उमाकान्त उपाध्याय जी का साहित्यिक कार्य 'आर्य संसार' के सम्पादन से प्रारम्भ होता है । आपके द्वारा लिखित अनेकों पुस्तकें आर्य समाज कलकत्ता से प्रकाशित हुई हैं ।

इस वर्ष आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आचार्य पं० उमाकान्त उपाध्याय जी द्वारा लिखित पुस्तक '**मातृभूमि वैभवम्**' का प्रकाशन किया गया है । इस पुस्तक का लोकार्पण वार्षिकोत्सव के अवसर पर **प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी** के कर-कमलों द्वारा हुआ ।

'आर्य संसार' मासिक पत्र

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन पं० उमाकान्त उपाध्याय के सम्पादकत्व में होता है । यह व्यावसायिक पत्रिका नहीं है । इसका मूल्य नाम मात्र है । इसके प्रकाशन के पीछे अपने सहयोगियों से सम्पर्क स्थापित रखने के साथ ही सैद्धान्तिक रूप में कुछ सेवा करनी है।

इसका प्रकाशन नियमित रूप से १९५८ ई० से अनवरत हो रहा है ।

शैक्षणिक कार्य

वेद प्रचार व साहित्य प्रचार के साथ-साथ शिक्षा के प्रचार व प्रसार में आर्य समाज ने अद्वितीय कार्य किया है । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा भी दो विशाल शिक्षण संस्थायें संचालित हो रही हैं ।

आर्य कन्या महाविद्यालय—आर्य समाज कलकत्ता ने सन् १९०२ में नाई टोला में कन्या विद्यालय खोला । १९०९ में कन्या विद्यालय का भवन खरीदा गया । २०नं० विधान सरणी में प्रसिद्ध आर्य कन्या महाविद्यालय का भवन बनवाया गया । भवन का स्वामी आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट है । इस समय आर्य कन्या महाविद्यालय के माध्यमिक विभाग में लगभग १५०० छात्राएँ एवं ४० अध्यापिकाएँ हैं । माध्यमिक विभाग की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, मन्त्री श्री मनीराम आर्य श्रीमती लिपिका आदित्य (टीचर इन्चार्य) तथा सदस्य श्री श्रीराम आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, डा० सुब्रत लाहिड़ी, डा० अनिन्दिता सिंह शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, अभिभावक प्रतिनिधि—श्री घनश्याम मौर्य, श्री मदन लाल सेठ हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरून्धती चौधरी सरकारी मान्यता प्राप्त Vocational Training की भी व्यवस्था है जिसमें ब्यूटिशियन, सिलाई आदि की शिक्षा दी जाती है तथा उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है ।

आर्य कन्या महाविद्यालय (प्राथमिक विभाग)–आर्य कन्या महाविद्यालय प्राथमिक विभाग में १५ अध्यापिकाएँ एवं लगभग ३५० छात्राएँ हैं । इसमें शिशु से चतुर्थ श्रेणी तक शिक्षा दी जाती है । शिक्षा का माध्यम हिन्दी है । प्राथमिक विभाग की प्रबन्ध समिति में श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल अध्यक्ष, श्री मनीराम आर्य मन्त्री, श्रीमती रश्मि तिर्की (टीचर इन्चार्ज) सदस्य श्री दीपक आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती नीता तलवार, अभिभावक प्रतिनिधि श्री ओम प्रकाश जायसवाल, श्री बिपुल राउथ तथा वार्ड कांउसिलर श्रीमती साधना बोस हैं । माध्यमिक और प्राथमिक दोनों विभाग सरकारी सहायता प्राप्त है । दोनों विभागों में वैदिक शिक्षा दी जाती है ।

महर्षि दयानन्द कन्या विद्यालय–महर्षि दयानन्द एकेडमी की स्थापना हुयी । इसमें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है ।

आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट–आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट कलकत्ता आर्य कन्या विद्यालय की उन्नति के लिए साथ ही महिलाओं में बहुविधि शिक्षा प्रचार करने की दृष्टि से २४ सितम्बर १९३६ ई० को आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के नाम से रजिस्ट्री करायी गयी । इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य कन्या विद्यालय को अच्छी तरह संचालित करना है ।

वर्तमान में इस ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी इस प्रकार हैं—श्री सेठ विश्वनाथ पोद्दार, श्री गजानन्द आर्य, प्रो० उमाकान्त उपाध्याय, श्री ओम प्रकाश मस्करा, श्री श्रीराम आर्य, श्री अच्छेलाल सेठ । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आर्य महिला मण्डल ट्रस्ट के गवर्निंग बँडी के लिए निम्न सदस्य तीन वर्ष के लिए हैं

। (१) श्री लक्ष्मण सिंह (२) श्री अमर सिंह सैनी, (३) श्री दीपक आर्य (४) श्री नन्दलाल सेठ, (५) श्री सुरेश चन्द जायसवाल (६) श्रीमती सुमना आर्या । आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के प्रधान—श्री श्रीराम आर्य, मन्त्री—श्री अच्छेलाल सेठ, कोषाध्यक्ष—श्री दीपक आर्य हैं ।

रघुमल आर्य विद्यालय

इस विद्यालय की स्थापना १९३६ ई० में की गयी । इसका आरम्भिक नाम आर्य विद्यालय है । विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मनीराम आर्य, मन्त्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, श्री राजीव सरकार (टीचर इन्चार्ज) सदस्य—श्री मनोज पोद्दार, श्री श्रीराम आर्य, श्री दीपक आर्य, डा० अजय आर्य, शिक्षक प्रतिनिधि श्री दिनेश सिंह, श्रीमती विनीता रोज कुजुर, अभिभावक प्रतिनिधि श्री सुनील सिंह, श्री सुरेश दास हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरुन्धनी चौधरी ।

इस समय विद्यालय में लगभग ९०० छात्र एवं १५ अध्यापक हैं । श्री राजीव सरकार टीचर इन्चार्ज हैं ।

रघुमल आर्य विद्यालय (प्राथमिक विभाग)

प्राथमिक विभाग में इस समय लगभग ४०० छात्र एवं ८ अध्यापक हैं । विद्यालय ७४, आमहर्स्ट रो में दिन के समय एवं ३३ सी, मदन मित्र लेन में प्रातः चलता है । माध्यमिक एवं प्राथमिक दोनों विभाग को सरकारी सहायता प्राप्त हैं । दोनों विभाग में वैदिक धर्म की शिक्षा दी जाती है । प्राथमिक विभाग के प्रबन्ध कार्यकारिणी के अध्यक्ष—श्री ध्रुवचन्द जायसवाल, मन्त्री श्री दीपक आर्य सदस्य—श्री मदन लाल सेठ, श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, प्रधानाध्यापक—श्री मोतीचन्द गुप्ता शिक्षक प्रतिनिधि—श्री सियाराम तिवारी, अभिभावक प्रतिनिधि श्री अजित कुमार शर्मा, श्रीमती गुंजा चौरसिया, वार्ड काउन्सिलर—श्री राज किशोर गुप्ता हैं ।

आर्य विद्यालय ट्रस्ट

विद्यालय का वर्तमान भवन जो ३३, सी, मदन मित्र लेन में हैं, उसको इस स्वरूप में लाने का श्रेय जहाँ आर्य विद्यालय ट्रस्ट के उत्साही सदस्यों को है वहीं इसमें रघुमल चैरिटी ट्रस्ट के आदर्श दान का बड़ा महत्व है, जो सेठ किशनलाल पोद्दार की सूझ-बूझ एवं दूरदर्शिता से सम्भव हो सका था । आर्य विद्यालय ट्रस्ट के वर्तमान ट्रस्टी हैं—(१) श्री श्याम सुन्दर सांगनेरिया, (२) श्री मनोज पोद्दार, (३) श्री सुवीर पोद्दार (४) श्री रवि पोद्दार, (५) श्री श्रीराम आर्य, (६) श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, (७) श्री दीपक आर्य, (८) श्री अमर सिंह सैनी (९) श्री अनिरुद्ध पोद्दार ।

रामनवमी पर्व—दिनांक १ अप्रैल २०१२ दिन रविवार को प्रातः १० बजे से आर्य समाज मन्दिर के सभागार में रामनवमी पर्व बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया । जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के सम्बन्ध में वक्ताओं ने विचार प्रस्तुत किये । वक्ताओं ने श्रीराम के आदर्शमय जीवन को अपनाने की प्रेरणा दी । वक्ताओं ने इस बात पर विशेष रूप से बल दिया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ऐतिहासिक महापुरुष हैं तथा बाल्मीकीय रामायण एक ऐतिहासिक ग्रन्थ है जिसके समर्थन में बहुत से प्रमाण वक्ताओं ने प्रस्तुत

किये । श्रीराम के इतिहास एवं भारत के सांस्कृतिक गौरव को गुमराह करने के लिए कुछ तत्व छद्म रूप से सक्रिय है, वक्ताओं ने इस ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया तथा इन तत्वों से सचेत एवं सतर्क रहने का आह्वान किया । इस समारोह के प्रमुख वक्ता के रूप में डा० सुरेन्द्र कुमार जी गुड़गाँव (मनुस्मृति के भाष्यकार), डा० ब्रह्मदत्त जी गुरुकुल कोलाघाट, श्री रामचन्द्र जी क्रान्तिवीर नेपाल, श्री मनीराम जी आर्य तथा श्री देवव्रत तिवारी थे । कार्यक्रम के अन्त में प्रीतिभोज का आयोजन आर्यसमाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में किया गया ।

सोलह संस्कार-व्याख्यान माला–आर्य समाज कलकत्ता, १९, विधान सरणी, कोलकाता-६ में आचार्य डा० शिवदत्त जी पाण्डेय (सुल्तानपुर) द्वारा सोलह संस्कारों पर आधारित एक व्याख्यानमाला दिनांक १८ जून से १ जुलाई २०१२ तक प्रतिदिन सायं ७.४५ बजे से ९ बजे तक प्रस्तुत किया गया । डा० पाण्डेय जी ने महर्षि दयानन्द द्वारा प्रतिपादित सोलह संस्कारों को प्रस्तुत किया । आपने ऋषियों द्वारा प्रतिपादित संस्कारों की वैज्ञानिकता तथा उनके महत्व को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करते हुए इन संस्कारों को अपने जीवन एवं परिवारों में अपनाने के लिए प्रेरित किया ।

इन संस्कारों को अपनाने से समाज एवं राष्ट्र चारित्रिक रूप से समुन्नत हो सकेगा । इन संस्कारों में वर्णित प्रत्येक क्रिया वैज्ञानिकता से परिपूर्ण है जिसकी उपेक्षा से हम उसके पूर्ण लाभ से वंचित हो जायेंगे । इच्छित एवं उत्तम सन्तान प्राप्त करने के लिए इन संस्कारों का ज्ञान प्राप्त करना तथा उस पर आचरण करना सभी के लिए आवश्यक है ।

वैदिक संगोष्ठा

विषय—**'वेद भाष्यों में स्वामी दयानन्द का वेद भाष्य'**

श्रावणी पर्व एवं वेद प्रचार सप्ताह के अन्तर्गत रविवार दिनांक ५ अगस्त २०१२ को प्रातः १० बजे से आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में एक वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था--'वेद भाष्यों में स्वामी दयानन्द का वेद भाष्य ।' इस संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे डा० शिवदत्त पाण्डेय । कलकत्ता विश्व विद्यालय के संस्कृत विभाग में वेद विषय की प्राध्यापिका डा० दीधिति विश्वास एवं डा० मोऊ दासगुप्ता तथा दर्शन विषय के प्राध्यापक डा० हरिदास सरकार ने इस संगोष्ठी में अंश ग्रहण किया । संगोष्ठी में अपने वक्तव्य रखते हुए डा० दीधिति विश्वास (कलकत्ता विश्वविद्यालय) ने आचार्य सायण आदि के वेद भाष्यों की चर्चा करते हुए कहा कि इन लोगों ने वेद मन्त्रों का विनियोग यज्ञ के लिए किया जबकि स्वामी दयानन्द ने मन्त्रों का विनियोग उसमें वर्णित विषयों के अनुरूप किया है। डा० मोऊ दासगुप्ता (कलकत्ता विश्व विद्यालय) ने सायण और महीधर तथा स्वामी दयानन्द के वेद भाष्य की तुलना वेद मन्त्र को प्रस्तुत करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द का वेद भाष्य अत्यधिक व्यापक है तथा इसको पढ़ने से वेदों के प्रति अगाध श्रद्धा होती है । विश्व विद्यालयों में प्रचलित पाठ्यक्रम में सायण आदि के वेद भाष्य के पठन-पाठन की बाध्यता है । डा० हरिदास सरकार जी ने **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका** की चर्चा करते हुए महर्षि के वेदभाष्य को श्रेष्ठ बताया । डा० शिवदत्त पाण्डेय

जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि सृष्टि के आदि में ईश्वर ने वेदों का ज्ञान जिस भाषा में दिया वह उस समय की भाषा थी जिससे लोगों को वेदों को समझने में कोई असुविधा नहीं होती थी बाद में भाषा में परिवर्तन आ जाने के कारण वेदों में निहित अर्थों को समझने के लिए व्याख्या ग्रन्थ लिखे गये । महर्षि दयानन्द ने वेद मन्त्रों में प्रयुक्त शब्दों के यौगिक अर्थ किये हैं । जबकि अन्य भाष्यकारों ने रूढ़िगत अर्थ किये। स्वामी दयानन्द ने निरुक्त, निघण्टु एवं महाभाष्य के आधार पर ऋषि परम्परानुसार वेद भाष्य को प्रस्तुत किया है ।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रश्नोत्तर का कार्यक्रम था जिसमें विद्वानों ने आपस में प्रश्नोत्तर किया ही तथा श्रोताओं ने भी वेद से सम्बन्धित अनेकों प्रश्न प्रस्तुत किये जिसका समुचित समाधान विद्वान् वक्ताओं ने किया । कार्यक्रम अत्यधिक आकर्षक एवं रोचक था । इस संगोष्ठी को कुशलता पूर्वक संचालित किया श्री योगेशराज उपाध्यायजी ने । कार्यक्रम के समापन पर मन्त्री श्री सत्यप्रकाश जायसवाल जी ने उपस्थित सभी विद्वानों एवं वेद विदुषियों को उनकी उपस्थित के लिए धन्यवाद दिया । प्रधान श्री मनीराम आर्य जी ने वैदिक साहित्य प्रदान कर उपस्थित विद्वान् अतिथियों को सम्मानित किया ।

श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह–

दिनांक २ अगस्त से ९ अगस्त २०१२ तक आर्य समाज कलकत्ता में श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह मनाया गया । प्रतिदिन प्रातः ७ बजे से ९.३० बजे तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ डा० शिवदत्त पाण्डेय जी के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ । अन्य ऋत्विकगण जिन्होंने वेद पाठ किया वे थे—पं० आत्मानन्द शास्त्री. पं० नचिकेता भट्टाचार्य, पं० देवनारायण तिवारी, श्री कृष्णदेव मिश्र, श्री योगेशराज उपाध्याय एवं श्रीमती अर्चना शास्त्री । सायंकाल प्रतिदिन ७.३० बजे से ८ बजे तक श्री कैलाश 'कर्मठ' जी द्वारा भजन एवं ८ बजे से ८.४५ बजे तक डा० शिवदत्त पाण्डेय जी द्वारा '**वेद कथा**' हुई । वेद कथा के प्रत्येक दिन के विषय क्रमशः इस प्रकार थे—श्रावणी पर्व का महत्व, उत्तम पुरुष के कौन-कौन गुण होते हैं ?, ईश्वर कैसा हैं ?, स्त्रियों को क्या करना चाहिए ?, ऐहिक पारलौकिक सुख कैसे पायें? जीवन में उन्नति का आधार क्या है ? राजा का धर्म क्या है ? ९ अगस्त को प्रातः ऋग्वेद पारायण यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न हुयी ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी–९ अगस्त २०१२ को सायं ७ बजे से ९.३० बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में योगेश्वर श्रीकृष्ण जी की जन्म जयन्ती मनायी गयी । आर्य समाज कलकत्ता के पूर्व प्रधान श्री श्रीराम आर्य जी ने इस सभा की अध्यक्षता की । पं० कृष्ण देव शास्त्री, श्री विवेक जायसवाल, श्री योगेशराज उपाध्याय, श्री मनीराम आर्य, पं० देवनारायण तिवारी जी ने योगेश्वर श्रीकृष्ण जी के उदात्त चरित्र एवं उनके नीति की विस्तार से चर्चा की । श्री कैलाश 'कर्मठ' जी ने इस अवसर पर भजन प्रस्तुत किया । प्रमुख वक्ता के रूप में डा० शिवदत्त पाण्डेय जी ने श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने पर विशेष बल दिया । आपने कहा कि आज भारत की दुर्दशा में यदि श्रीकृष्ण जी के नीति एवं आदर्शों को अपनायें तो हमारे देश की दुर्दशा समाप्त हो जायगी । आवश्यकता है श्रीकृष्ण जी के आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की । अध्यक्ष श्री श्रीराम आर्य जी ने श्रीकृष्ण जी के विवाहोपरान्त

बारह वर्ष के घोर ब्रह्मचर्य पालन का उल्लेख करते हुए जीवन में संयम और सदाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया । संचालन मन्त्री श्री सत्यप्रकाश जी ने किया ।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर :–१५ अगस्त २०१२ स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में आर्य समाज कलकत्ता और Pearl Diagnostic Centre के संयुक्त तत्वावधान में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें लगभग ६०—६५ रोगियों ने अपने-अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया । Pearl Diagnostic Centre द्वारा विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण सम्बन्धी उपकरण एवं कुशल डा०द्वारा सभी रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।

अन्तर्विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता–आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में १९ अगस्त २०१२ रविवार को अन्तर्विद्यालय देश-भक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें कोलकाता के १९ प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति पर आधारित गीतों को प्रस्तुत किया । संस्था की ओर से वाद्य यन्त्र भी उपलब्ध करवाये गये थे ।

प्रतियोगिता के परिणाम का निर्धारण करने के लिए तीन निर्णायकों का एक निर्णायक मण्डल था। निर्णायक गण थे—डा० दोयल बनर्जी, श्री अमिताभ माहेश्वरी एवं श्री वासुदेव शर्मा । निर्णायकों के निर्णयानुसार निम्न विद्यालयों के प्रतियोगियों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान ग्रहण किया।

प्रथम—**देबोप्रिया दास** (कक्षा—१२) लोरेटो डे स्कूल बहूबाजार

द्वितीय—**पृथा सेन** (कक्षा १२) माहेश्वरी गर्ल्स स्कूल

तृतीय—**सृजिता मित्र** (कक्षा १२) श्री शिक्षायतन स्कूल

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले प्रतियोगियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र, साहित्य एवं उपहार द्वारा पुरस्कृत किया गया । इसके अतिरिक्त सभी प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को मैडल, साहित्य एवं प्रमाण पत्र द्वारा सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्यसमाज कलकत्ता के प्रधान श्री मनीराम आर्य जी ने किया । मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक छपते-छपते पत्र के सम्पादक एवं ताजा टी.वी. चैनल के डायरेक्टर श्री विश्वम्भर नेवर एवं कलकत्ता हाईकोर्ट के एडवोकेट श्री धनञ्जय चक्रवर्ती उपस्थित थे ।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर—अमर हुतात्मा सरदार भगतसिंह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन आर्य समाज कलकत्ता की युवा-शाखा द्वारा रविवार दिनांक ३० सितम्बर २०१२ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में किया गया । इस शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर कोलकाता म्युनिसिपल कारपोरेशन की पार्षद श्रीमती साधना बोस, पार्षद श्रीमती सुमन सिंह एवं आर्य समाज कलकत्ता के प्रधान श्री मनीराम आर्य जी ने किया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्मिता बक्सी (विधायक) थी । आपने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए लोगों को प्रेरित किया । कुल ४३ व्यक्तियों ने रक्तदान किया । कार्यक्रम

का संचालन श्री रणजीत झा जी ने किया ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुप्ता पाण्डेय तथा अमहर्स्ट स्ट्रीट थाना के एडिशनल ओ० सी० उपस्थित थे ।

युवा शाखा के अध्यक्ष श्री विवेक सेठ तथा इस शिविर के सचिव श्री राजीव गुप्त के साथ सभी युवाओं ने शिविर को सफल बनाने में हर्ष एवं उत्साह के साथ परिश्रम किया ।

विजयदशमी पर्व

बुधवार २४-१०-२०१२ को प्रातः १० बजे से १ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में विजयदशमी पर्व मनाया गया । इस अवसर पर पं० आत्मानन्द जी शास्त्री एवं पं० देवनारायण तिवारी जी के पौरोहित्य में यज्ञ सम्पन्न हुआ तदुपरान्त श्री अर्जुन आर्य एवं श्री महेश आर्य जी द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया । वक्तागण थे—श्री देवव्रत तिवारी, श्री विवेक जायसवाल, पं० देवनारायण तिवारी एवं प्रधान श्री मनीराम आर्य । कार्यक्रम को मन्त्री श्री सत्यप्रकाश जायसवाल जी ने संचालित किया । इस अवसर पर वक्ताओं ने विजयदशमी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्षाकाल के समापन पर जब व्यापारी और क्षत्रिय वर्ग अपने व्यापार को पुनः प्रारम्भ एवं सेना को पुनः सुसज्जित करते थे तो उसके प्रतीक के रूप में यह विजयदशमी पर्व मनाया जाता है । रावण बध विजय दशमी के दिन नहीं हुआ था । बल्कि इस दिन मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने लंका विजय का उपक्रम प्रारम्भ किया था । वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला ।

बंगलादेश वैदिक आर्य समाज के आचार्य सुभाष शास्त्री जी का स्वागत :–

बंगलादेश के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी तथा बंगलादेश वदिक आर्य समाज के संस्थापक एवं अध्यक्ष आचार्य सुभाष शास्त्री जी का आर्य समाज कलकत्ता की वेदी पर विजयदशमी पर्व के दिन माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया । आचार्य सुभाष शास्त्री जी के सूचनानुसार बंगलादेश के ३४ जिलों में आर्य समाज है तथा २ करोड़ की हिन्दू आबादी में १३-१४ लाख व्यक्ति आर्य समाज के अनुयायी है । आचार्य सुभाष शास्त्री जी बंगला देश में विमान वाहिनी शाहीन कालेज में प्रोफेसर हैं । आपने ३७ पुस्तकें लिखी है जिसमें ६ पुस्तकें काव्य हैं ।

दुर्गापूजा पर प्याऊ एवं वैदिक साहित्य का स्टाल–

दुर्गापूजा के अवसर पर सप्तमी से दशमी तक आर्य समाज कलकत्ता के सामने जल वितरण (प्याऊ) एवं वैदिक साहित्य के प्रचारार्थ स्टाल लगाया गया । जिसमें पूजा भ्रमणार्थियों ने वैदिक साहित्य के प्रति रुचि दिखायी एवं वैदिक साहित्य को खरीदा ।

आर्य समाज कलकत्ता के परिसर में 'लिफ्ट' का लोकार्पण

आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार (संस्कार-कक्ष) एवं छत पर सुगमता पूर्वक पहुँचने के लिए विगत कई वर्षो से 'लिफ्ट'की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा था । वृद्धों एवं महिलाओं को ऊपर चढ़ने में बहुत असुविधा होती थी । आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना के द्वितीय शताब्दी-

रजत जयन्ती समारोह के उपरान्त 'लिफ्ट' की आवश्यकता अत्यन्त तीव्रता से अनुभव की जाने लगी। दिनांक ८-५-२०११ की अन्तरंग सभा में कार्यालय एवं सीढ़ी के सामने लिफ्ट लगवाने का निर्णय लिया गया, किन्तु यह बहुत ही व्ययसाध्य कार्य था । लिफ्ट हेतु लिफ्ट कक्ष का निर्माण प्रारम्भ कर दिया गया किन्तु निर्माण कार्य गति नहीं प्राप्त कर पा रहा था । इसी बीच तत्कालीन कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान उप-प्रधान श्री ध्रुवचन्द जायसवाल जी ने 'लिफ्ट उपकरण' स्वयं प्रदान करने की घोषणा कर दी । एतदर्थ उन्होंने ८ व्यक्ति की क्षमता वाले OTIS Co. का 'लिफ्ट' अपने पिता स्व० रंजीत जायसवाल जी की पुण्य स्मृति में प्रदान किया ।

दिनांक १८ नवम्बर २०१२ दिन रविवार को प्रातः सत्संग के उपरान्त श्रीमती जड़ावती देवी जायसवाल (श्री ध्रुवचन्द जायसवाल जी की माताजी) के कर कमलों द्वारा इस नव-निर्मित लिफ्ट का लोकार्पण किया गया ।

दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस :–दीपावली पर्व के अवसर पर दिनांक १३ नवम्बर २०१२ को प्रातः ६ बजे आर्य समाज में शारदीय नवसस्येष्टि यज्ञ सम्पन्न हुआ । महर्षि निर्वाण दिवस रविवार १८ नवम्बर २०१२ को मनाया गया । इस अवसर पर श्रीमती माधुरी साह एवं श्री कैलाश 'कर्मठ' जी के भजन हुए एवं पं० वेदप्रकाश शास्त्री, पं० कृष्णदेव मिश्र एवं श्री देवव्रत तिवारी जी ने महर्षि के अवदानों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये।

आर्य समाज कलकत्ता का १२७ वाँ वार्षिकोत्सव :

आर्य समाज कलकत्ता का १२७ वाँ वार्षिकोत्सव शनिवार २२ दिसम्बर से रविवार ३० दिसम्बर २०१२ तक आम्हर्स्ट स्ट्रीट स्थित हृषीकेश पार्क में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । स्थानीय विद्वानों के अतिरिक्त प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु (अबोहर), डा० सुरेन्द्र कुमार (गुड़गाँव), डा० राजेन्द्र विद्यालंकार (कुरुक्षेत्र), डा० ऋचा योगमयी (खगड़िया), श्री वासुदेव शास्त्री (जयपुर), एवं भजनोपदेशक श्री दिनेश दत्त आर्य (दिल्ली) आदि विद्वानों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को गरिमा प्रदान की ।

ऋग्वेद पारायण यज्ञ :

२२ दिसम्बर २०१२ को प्रातः ७.३० बजे से डा० सुरेन्द्र कुमार जी (गुड़गाँव) के ब्रह्मत्व में ऋग्वेद पारायण यज्ञ प्रारम्भ हुआ । मुख्य यजमान आर्य समाज कलकत्ता के प्रधान श्री मनीराम आर्य, मन्त्री श्री सत्यप्रकाश जायसवाल एवं कोषाध्यक्ष श्री मदनलाल सेठ जी ने संकल्प पूर्वक यज्ञ के ब्रह्मा एवं ऋत्विजों को पारायण यज्ञ हेतु वरण किया । ऋत्विजगण के रूप में वेद पाठ कर रहे थे—पं० आत्मानन्द शास्त्री, पं० नचिकेता भट्टाचार्य, पं० देवनारायण तिवारी, पं कृष्ण देव मिश्र, पं० योगेश राज उपाध्याय, पं० अर्चना शास्त्री ।

ध्वजोत्तोलन :– प्रातः यज्ञ के उपरान्त 'ओ३म्' ध्वजोत्तोलन डा० सुरेन्द्र कुमार जी के कर कमलों द्वारा हुआ । ध्वजगीत आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया । ध्वजोत्तोलन के साथ रघुमल आर्य विद्यालय के छात्रों एवँ आर्य कन्या महाविद्यालयों की छात्राओं द्वारा

बैण्ड ध्वनि प्रस्तुत की गयी ।

शोभायात्रा :—अपराह्न २ बजे से आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी से एक विशाल एवं सुसज्जित शोभा-यात्रा विवेकानन्द रोड, गणेश टाकीज, कलाकार स्ट्रीट, महात्मा गांधी रोड, कालेज स्ट्रीट, विधान सरणी, बेचू चटर्जी स्ट्रीट होते हुए समारोह स्थल हृषीकेश पार्क में सायं ५ बजे पहुँच कर समाप्त हुयी । शोभा यात्रा में आर्य समाज कलकत्ता, आर्य स्त्री समाज कलकत्ता, आर्य युवा शाखा, आर्य समाज विद्या सागर, आर्य समाज मल्लिक बाजार, आर्य समाज हावड़ा, आर्य समाज गारुलिया इत्यादि समाजों के अतिरिक्त, आर्य कन्या महाविद्यालय (प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग), रघुमल आर्य विद्यालय (प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग) के छात्र, छात्राओं एवं अध्यापक, अध्यापिकाओं ने भाग लिया ।

शोभायात्रा का कलाकार स्ट्रीट में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया जिसमें श्री शीतल प्रसाद जी आर्य के परिवार का विशेष सहयोग था । आर्य समाज बड़ाबाजार द्वारा सत्यानारायण पार्क के निकट शोभा यात्रा का स्वागत एवं फल वितरण किया गया ।

बाल सत्संग : सोमवार २३ दिसम्बर २०१२ को अपराह्न ३ बजे से ६ बजे तक बाल सत्संग के बच्चों द्वारा बहुत ही रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । जिसमें चित्रांकन प्रतियोगिता, वेद मन्त्र पाठ, आर्य समाज के नियमों का पाठ, यज्ञ का प्रस्तुतीकरण एवं भजन बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया । प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा अन्य बच्चों को सान्त्वना पुरस्कार दिये गये । पुरस्कार श्रीमती सुषमा अग्रवाल जी के सौजन्य से प्रदान किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश अग्रवाल, श्री सतीश जायसवाल, श्री कृष्णकुमार जायसवाल एवं श्री सुदेश जायसवाल तथा आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की सदस्याओं का विशेष योगदान रहा ।

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस : २३ दिसम्बर २०१२ को सायं ६ बजे से ९.३० बजे तक श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पूर्व प्रधान श्री श्रीराम आर्यजी की अध्यक्षता एवं पूर्व प्रधान श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल जी के संयोजकत्व में मनाया गया । वक्ताओं ने स्वामी श्रद्धानन्द जी के मुख्य योगदान शिक्षा, शुद्धि एवं दलितोद्धार पर विशेषरूप से प्रकाश डाला ।

राष्ट्र रक्षा सम्मेलन : २५ दिसम्बर २०१२ को सायं ६ बजे से ९.३० बजे तक आर्य जगत् के प्रसिद्ध विद्वान डा० राजेन्द्र विद्यालंकार जी की अध्यक्षता में मनाया गया । संयोजक थे आर्य समाज कलकत्ता के प्रधान श्री मनीराम आर्य । वक्तागण के रूप में— प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु, डा० सुरेन्द्र कुमार, डा० ऋचा योगमयी प्रभृति विद्वान् थे ।

महिला सम्मेलन :—महिला सम्मेलन आर्य स्त्री समाज कलकत्ता द्वारा २६ दिसम्बर को अपराह्न २.३० बजे से ६ बजे तक डा० ऋचा योगमयी जी की अध्यक्षता में मनाया गया । पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी के कुशल निर्देशन में आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की सदस्याओं द्वारा, वेद पाठ, भजन, व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । श्रीमती सुशीला दम्माणी एवं श्रीमती सन्तोष गोयलजी ने वक्तव्य प्रस्तुत

किया । इस अवसर पर आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की सदस्या श्रीमती सरस्वती देवी आर्या जी का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया । माला, शाल एवं चन्दन द्वारा उनका स्वागत किया गया । कार्यक्रम का संचालन किया श्रीमती सुनीता जायसवाल जी ने । संयोजक थे पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी ।

अभिनन्दन समारोह : दिनांक २७ दिसम्बर को सायंकालीन सत्र में ६ बजे से ७ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के कर्मठ कार्यकर्ता एवं यज्ञप्रेमी श्री शीतल प्रसाद आर्य जी का आर्य समाज कलकत्ता द्वारा सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया । वक्ताओं ने श्री शीतल प्रसाद आर्य के संघर्षमय जीवन एवं आर्य समाज के प्रति उनके अनुराग की सराहना की । इस अवसर पर उनको आर्य समाज कलकत्ता के प्रधान, मन्त्री एवं स्त्री आर्य समाज द्वारा, शाल, चन्दन, माला एवं मानदेय द्वारा स्वागत तथा अभिनन्दन पत्र भेंट किया गया । विभिन्न आर्य समाज के अधिकारियों एवं आर्य संस्थाओं द्वारा माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया ।

वेद सम्मेलन : २८ दिसम्बर २०१२ को सायं ६ बजे से ९.३० बजे तक डा० सुरेन्द्र कुमार जी की अध्यक्षता में वेद सम्मेलन सम्पन्न हुआ । वक्ताओं में प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु, डा० राजेन्द्र विद्यालंकार, डा० ऋचा योगमयी तथा कलकत्ता विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग में वेद विषय की प्राध्यापिका डा० मोउ दासगुप्ता थी । कार्यक्रम के संयोजक श्री योगेशराज उपाध्याय जी थे।

शंका समाधान : दिनांक २९ दिसम्बर को सायं ६.३० से ७.३० बजे तक शंका समाधान का कार्यक्रम था । समाधान कर्ता—प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु, डा० सुरेन्द्र कुमार एवं देवनारायण तिवारी थे ।

आर्य संस्कृति सम्मेलन : प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी के अध्यक्षता में ३० दिसम्बर २०१२ को प्रातः १० बजे से १ बजे तक आर्य संस्कृति सम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के संयोजक श्री घनश्याम मौर्य थे । वक्तागण थे—डा० सुरेन्द्र कुमार, डा० राजेन्द्र विद्यालंकार, श्री दिनेश दत्त आर्य आदि ।

कवि सम्मेलन : ३० दिसम्बर २०१२ सायं ६ बजे से ९.३० बजे तक सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं वरिष्ठ कवि डा० अरुण प्रकाश अवस्थी जी की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन आयोजित हुआ । मुख्य अतिथि थे सुरेन्द्रनाथ कालेज में हिन्दी विभागाध्यक्ष डा० प्रेम शंकर त्रिपाठी । दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन को उद्घाटित किया प० बंगाल के पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री दिनेश चन्द्र बाजपेयी जी ने । अन्य कविगण जिन्होंने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का ध्यान आकृष्ट किया वे थे श्री योगेन्द्र शुक्ल 'सुमन', डा० गिरधर राय, डा० एस० आनन्द, श्री जगेश तिवारी । कार्यक्रम का संयोजक थे श्री नन्द लाल सेठ 'रौशन' जी ।

ऋषि लंगर : ३० दिसम्बर २०१२ दिन रविवार को अपराह्न १ बजे से ऋषि लंकर में उपस्थित समस्त स्त्री, पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया ।

वैदिक साहित्य का लोकार्पण : आचार्य पं० उमाकान्त उपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक **'मातृभूमि वैभवम्'** का लोकार्पण २८ दिसम्बर २०१२ को वेद सम्मेलन के अवसर पर प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी

के कर कमलों द्वारा किया गया । 'मातृभूमि वैभवम्' अर्थववेद के पृथ्वी सूक्त की व्याख्या है जिसमें राष्ट्र की अवधारणा एवं जिन गुणों द्वारा राष्ट्र समुन्नत होता है इसका विशेष वर्णन है ।

प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा लिखित पुस्तक वेद क्यों और क्या ? तथा प्रो० उमाकान्त उपाध्याय जी द्वारा लिखित पुस्तक श्राद्ध और तर्पण का बंगला भाषा में अनुवाद किया है पं० वासुदेव शास्त्री (जयपुर) ने इन दोनों पुस्तकों का विमोचन डा० सुरेन्द्र कुमार एवं प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा वेद सम्मेलन के अवसर पर किया गया । २९ दिसम्बर २०१२ को सायंकालीन सत्र में अमर स्वामी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक महर्षि दयानन्द का दार्शनिक चिन्तन लेखक डा० रमेश दत्त मिश्र का लोकार्पण प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा किया गया । इसके अतिरिक्त बहन प्रेमलता अग्रवाल मुम्बई एवं अमर स्वामी प्रकाशन विभाग द्वारा १८ भाषाओं में सत्यार्थ प्रकाश एक डी.वी. डी. में तथा महर्षि दयानन्द के समस्त ग्रन्थ एक डी. वी. डी. में, का लोकार्पण भी प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा किया गया।

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा बंग भाषा में प्रकाशित 'आर्य गौरव' पत्रिका का लोकार्पण

आर्य समाज कलकत्ता की अन्तरंग सभा ने बंग-भाषी क्षेत्रों में वैदिक सिद्धान्तों के विस्तृत प्रचार व प्रसार हेतु बंग-भाषा में **'आर्य गौरव'** नाम से एक मासिक पत्रिका के प्रकाशन का निर्णय लिया था । इस निर्णय को दृष्टिगत रखते हुए आर्य समाज कलकत्ता के १२७वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर २४ दिसम्बर २०१२ को सायंकालीन सत्र में आर्य जगत् में इतिहास के शिरोमणि विद्रान् प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी के कर-कमलों द्वारा बंग-भाषा में प्रकाशित **'आर्य गौरव'** पत्रिका का विमोचन किया गया इस अवसर पर मनुस्मृति के भाष्यकार **डा० सुरेन्द्र कुमार जी** (गुड़गांव), **डा० ऋचा योगमया** (बिहार) **पं० आत्मानन्द शास्त्री** (कोलकाता), **पं० योगेशराज उपाध्याय** (कलकत्ता) के अतिरिक्त बंग भाषी विद्वान—**पं० वासुदेव शस्त्री** (जयपुर), **पं० वेदभानु जी** (हावड़ा), **पं० वेद प्रकाश शास्त्रा**, **डा० हरिदास सरकार** प्रभृति विद्वान् उपस्थित थे । प्रारम्भ में यह पत्रिका द्विमासिक प्रकाशित होगी जिसे आगामी कुछ महीनों में प्रतिमास प्रकाशित किया जायेगा । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका के सम्पादक **पं० वेद प्रकाश शास्त्री** तथा सह-सम्पादक कलकत्ता विश्व विद्यालय में संस्कृत विभाग में दर्शन विषय के प्राध्यापक **डा० हरिदास सरकार जा** हैं । पत्रिका का वार्षिक शुल्क १०० रु० तथा आजीवन सदस्यता शुल्क १०००) रु० है । **प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जा** ने आर्य गौरव पत्रिका का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है ।आर्य समाज कलकत्ता ने इसे प्रकाशित कर बहुप्रतीक्षित आवश्यकता की पूर्ति की है । उन्होंने इसके निरन्तर एवं नियमित प्रकाशन की कामना की।

निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर—आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा विगत २६ वर्षों से निरन्तर निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है । इस वर्ष २७ जनवरी २०१३ को ४६ निर्धन, निराश्रति एवं असहाय रोगियों का सफल आपरेशन नगर के सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन डा० रजनी सर्राफ एवं उनकी मेडिकल टीम द्वारा किया गया । युवा शाखा के अध्यक्ष श्री विवेक सेठ, शिविर सचिव श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, शिविर प्रभारी श्री सुदेश जायसवाल के

अतिरिक्त युवा-शाखा के सभी सदस्यों ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया ।

बसन्तोत्सव :— बसन्त पंचमी पर्व १५ फरवरी २०१३ दिन शुक्रवार को प्रातः १० बजे से १ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में मनाया गया । इस अवसर पर पं० आत्मानन्द शास्त्री एवं पं० देवव्रत तिवारी जी के पौरोहित्य में यज्ञ सम्पन्न हुआ । तदुपरान्त भजन, काव्य पाठ के अतिरिक्त वक्ताओं ने बसन्त ऋतु पर अपने विचार प्रकट किये । इस अवसर पर प्रधान श्री मनीराम आर्य जी ने वीर हकीकत राय के बलिदान की चर्चा करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला । श्रीमती सत्यवती गुप्ता, श्री विनय कुमार आर्य, श्री सत्यप्रकाश जायसवाल, श्री विवेक जायसवाल, श्री घनश्याम मौर्य तथा पं० देवव्रत तिवारी ने भजन एवं अपने विचार प्रकट किये ।

होलिकोत्सव :—२७ मार्च २०१३ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में सायं ६ बजे से होलिकोत्सव पर्व मनाया गया । जिसमें नवसस्येष्टि यज्ञ पं० आत्मानन्द शास्त्री जी के पौरोहित्य में सम्पन्न हुआ । तत्पश्चात् एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने इस पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा इस पर्व के सम्बन्ध में प्रचलित कुप्रथाओं को दूर करने का आह्वान् किया । वक्ताओं में जिन्होंने अपने विचार व्यक्त किये वे थे—श्री पं० आत्मानन्द शास्त्री, श्री मनीराम आर्य, श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० देवव्रत तिवारी, पं० कृष्णदेव मिश्र, श्री सत्यप्रकाश जायसवाल, श्री नरेश गुप्ता (मन्त्री आर्य समाज बड़ाबाजार) तथा श्री विवेक जायसवाल ।

गंगा सागर मेले में वेद प्रचार

गंगासागर मेले में देश के विभिन्न भागों से आये हुए तीर्थ यात्रियों के बीच में कोलकाता में बाबूघाट पर स्थित आउटराम घाट पर दिनांक १० जनवरी से १६ जनवरी २०१३ तक प्रधान श्री मनीराम आर्य जी के सहयोग से उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री त्रियुगीनारायण पाठक, डा० विद्याचन्द्र आर्य एवं ढोलवादक श्री रामनारायण द्वारा प्रचार का कार्य हुआ जिसके लिए आर्य समाज कलकत्ता के सदस्य श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल जी ने अच्छा प्रयास किया ।

शुद्धि, तिलक एवं विवाह संस्कार

इस वर्ष आर्य समाज मन्दिर में हमारे योग्य पुरोहितों द्वारा २२ शुद्धियां, १२ वाग्दान, २६ विवाह, १ प्रीतिभोज, १ यज्ञोपवीत संस्कार तथा १ नामकरण संस्कार सम्पन्न कराये गये

शोक प्रस्ताव

(अप्रैल २०१२ से मार्च २०१३ तक)

(१) श्री शिरीश आर्य (पं० वेदभानु जी के पिताजी)

(२) श्रीमती सरस्वती उपाध्याय पत्नी स्व० शिवाकान्त उपाध्याय

(३) श्रीमती प्रणति सेनगुप्ता श्री केशव सेनगुप्ता जी की माता जी

(४) श्री कामता प्रसाद कर्मठ

(५) श्री दारा सिंह

(६) श्री कैप्टन देवरत्न आर्य

(७) श्री रोशनलाल जी कपूर

(८) श्रीमती हिरणमयी श्री वासुदेव शास्त्री (जयपुर) जी की माता जी

(९) श्री वेद प्रकाश गुप्ता, श्री नरेश गुप्ता (बड़ाबाजार) जी के पिता जी

(१०) श्री राजीव कुमार (मोतीहारी)

(११) श्री राम जियावन जायसवाल

(१२) श्री गणेश सिंह (श्री सुरेश सिंह एवं श्री भुवनेश सिंह जी के पिताजी)

(१३) शिवसेना प्रमुख श्री बाला साहेब ठाकरे

(१४) श्रीमती बीना गुप्ता

(१५) श्रीमती दामिनी (दिल्ली)

(१६) सिद्धान्त उपाध्याय (पौत्र आचार्य उमाकान्त जी उपाध्याय)

(१७) श्रीमती निर्मला गुप्ता

(१८) श्री वेद प्रकाश गुप्ता

(१९) श्रीमती कविता गुप्ता

(२०) श्री कैलाश नाथ सिंह

समादरणीय श्री आचार्यजी — प्रभात आश्रम

नमस्ते, — माघ कृ० १३-२०६९

आप द्वारा प्रेषित **'मातृभूमि वैभवम्'** पुस्तक प्राप्त हुई, यद्यपि इसकी व्याख्या अनेक विद्वानों ने की है, तदपि कहे विन रहा न कोई के अनुसार तथा अधिक कुछ कहने की सरल हृदयङ्गम बनाने की आपकी हार्दिक भावना ने इसमें कुछ और आकर्षण तथा ओज भर दिया है, व्याकरण की दृष्टि से बृहद् का अर्थ भी कुछ अभिनवत्व अभिसक्त कर रहा है । पैरों के कारण विस्तर शायी होने के समाचार से कुछ कष्ट तो हुआ है । किन्तु पू० स्वामी समर्पणानन्द के शब्दों में तो, प्रदीपानालोक प्राकेरण पटून मे प्रिय सखान्, भक्ति लहरी-६ ये प्रिय मिव हैं ।

अस्तु समाज के अधिकारी आपकी लेखनी के रस को लोगों तक पहुँचाने में सहयोगी हो रहे हैं। यह और सन्तोष का विषय है वे भी धन्यवाद के पात्र है ।

शेष दयामय प्रभु की अपार दया । भवदीय—विवेकानन्द सरस्वती प्रभात आश्रम, मेरठ

स्थिर निधियाँ

बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा, कोलकाता-६

विद्यार्थी सहायता, महिला सहायता, अतिथि सत्कार, वार्षिकोत्सव और वैदिक विद्वानों आदि के सहायतार्थ निम्न दानीदाताओं से दान स्वरूप आर्य समाज कलकत्ता को सहयोग मिला जिसके ब्याज से प्रति वर्ष सहायता की जाती है। बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा से सारी स्थिर निधियां अपरिहार्य कारणों से बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा के बचत खाता में जमा करा दिया गया है। अगले वर्ष बैंक आफ बड़ौदा में फिर से स्थिर निधि बनायी जायेगी।

(१) वैदिक प्रचारक सहायता कोष:

	रु०
१. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-
२. स्व० देवी प्रसाद मस्करा	११,०००/-
३. श्रीमती शान्ति देवी जायसवाल	५,०००/-
४. श्रीमती एवं श्री रामधनी जायसवाल	५,१००/-
	२,२१,१००/-

(२) प्रकाशन कोष:-

समाज में नई पुस्तकों की छपाई आदि के लिए आर्य समाज कलकत्ता ने २,७५,५००/- का स्थिर निधि करवाया है जिसके ब्याज की राशि से प्रकाशन का कार्य चल रहा है। निम्न दानी दाताओं का सहयोग है।

आर्य समाज कलकत्ता	२,५०,०००/-
श्रीमती रामदेवी गुप्त	१०,५००/-
श्री रमेशचन्द गुप्त	५०००/-
मास्टर करण गुप्त	५०००/-
मास्टर सिद्धार्थ गुप्त	५०००/-
	२,७५,५००/-

(३) दयानन्द धर्मार्थ औषधालय कोष:-

निम्न दानी दाताओं ने अपना सहयोग देकर औषधालय को सुचारू रूप से चलाने का व्रत लिया है। जिसके ब्याज से होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, नेत्र परीक्षण, आदि चल रहे हैं।

१. श्रीमती शान्ति प्रसाद	५,०००/-
२. श्रीमती हौसला देवी तिवारी	२०,०००/-
३. श्री सत्यदेव चोपड़ा/श्रीमती विजय चोपड़ा	५,०००/-
४. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१५,०००/-
५. श्री के०सी० सिंह	२,५००/-
६. श्री छबील दास सैनी	५,०००/-
७. श्री विजय कुमार सैनी	१०,०००/-
८. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	१०,०००/-
९. श्रीमती कमला अरोड़ा	५,०००/-
१०. श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता	५,१००/-
११. श्री दीपक गोयल	५,०००/-
१२. आर्य समाज कलकत्ता	१५,१००/-
१३. श्री आशा राम जायसवाल	१०,०००/-
१४. सूरजमल घीया HUF	५,१००/-
१५. श्रीमती जानकी देवी झा	५,०००/-
कुल योग	१,२२,८००/-

(४) स्वास्थ्य एवं जनकल्याण कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग हुआ है। सब राशि को मिलाकर एक स्थिर निधि की बनवायी गयी है।

१. आर्य समाज कलकत्ता	६०,०००/-
२. श्री बद्री प्रसाद पोद्दार	५०,०००/-
३. श्री रामसुन्दर जायसवाल	६,०००/-
४. श्री रूपेश कुमार जायसवाल	२,५००/-
	१,१८,५००/-

(५) विद्यार्थी सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर १,५०,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता दी जाती है।

१. श्री नन्दलाल सेठ	५,०००/-
२. श्री सीताराम आर्य	२१,०००/-
३. श्रीमती पुष्पा देवी मल्होत्रा	५,०००/-
४. श्रीमती गंगा देवी जायसवाल	५,०००/-
५. श्री जगन्नाथ कोले	१५,०००/-
६. श्री बनारसीदास अरोड़ा	५,०००/-
७. श्रीमती मायादेवी	५,०००/-
८. राजाराम धनपति देवी जायसवाल	१०,०००/-
९. श्री मेवालाल सुरेशचन्द	१०,०००/-
१०. श्री रूलिया राम गुप्त	११,०००/-
११. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	५,०००/-
१२. श्रीमती सुनीति देवी शर्मा	५,०००/-
१३. श्रीमती विद्यावती सभरवाल	१५,०००/-
१४. श्रीमती विद्यावती नन्दगोपाल दत्त	१२,०००/-
१५. श्री शिवनन्दन प्रसाद	५,०००/-
१६. श्रीमती सावित्री देवी जायसवाल	५,०००/-
१७. श्रीमती सावित्री देवी अरोडा	५,०००/-
१८. श्री सत्यनारायण गुलाबी देवी लाहोटी	५,०००/-
१९. आर्य समाज कलकत्ता	१,०००/-
	१,५०,०००/-

(६) गुरुकुल सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर २,३६,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से गुरुकुलों को सहायता दी जाती है।

(१) श्री शान्तिस्वरूप गुप्ता	११,०००/-
(२) श्री सीताराम आर्य एवं केवलादेवी आर्य	१०,०००/-
(३) श्री के० सी० सिंह	५,०००/-
(४) श्री मेवालाल पार्वती देवी जायसवाल	१०,०००/-
(५) श्री ब्रिजमोहन ओवेराय	५,०००/-
(६) आर्य समाज कलकत्ता	१,९५,०००/-
	२,३६,०००/-

(७) वेद प्रचार कोष :-

इस कोष में निम्न दाताओं का सहयोग रहा।

१. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१०,०००/-
२. श्री लब्बू राम सोदपुर	१,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-
४. स्व० माता ओमवती अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके परिवार के सज्जनों ने दान देकर की स्थिर निधि बनवायी। जो **ओरियन्टल बैक ऑफ कामर्स** शाखा कांकुड़गाछी में है।	१,००,०००/-
	३,११,०००/-

(८) हवन यज्ञ कोष :-

१. श्रीमती कमला देवी आर्या	११,०००/-
२. श्री मोतीलाल जायसवाल एवं श्रीमती यदूराजी देवी	१०,०००/-
३. श्री अच्छेलाल सेठ	१५,०००/-
४. श्री विजय कुमार सेठ	१५,०००/-
५. श्री अजय सेठ	१०,०००/-
६. श्री विकास सेठ	११,०००/-
७. श्री फूलचन्द जी आर्य	२५,०००/-
८. श्रीमती रामदुलारी जायसवाल	५,०००/-
	१,०२,०००/-

(९) जल पेय कोष :-

श्री रमेश दम्मानी ने प्याऊ को सुचारु रूप से चलाने के लिए ५०००/- की स्थिर निधि करवाया है।

इलाहाबाद बैंक

१. **आर्य स्त्री समाज कलकत्ता** के नाम पर सदस्याओं द्वारा प्राप्त राशि और इससे प्राप्त ब्याज की राशि से १८,४०००/- की स्थिर निधि बनवायी गयी । जो वर्ष २०१३ मार्च तक का ब्याज जोड़कर २,१०,६४९/- है ।

२. अतिथि सत्कार कोष -

समाज में आने वाले अतिथियों के सत्कार के लिए निम्न दाताओं द्वारा सहयोग राशि प्राप्त हुआ है कुल मिलाकर ३२,०००/ रु०की स्थिर निधि बनवायी गयी है ।

१. श्रीमती मुखा देवी जायसवाल द्वारा श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल	२१,०००/-
२. श्रीमती कमला अरोड़ा	६,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	५,०००/-
	३२,००००/-

३. वार्षिकोत्सव कोष -

वार्षिकोत्सव के खर्च के लिए निम्न दाताओं ने सहयोग दिया जिससे कुल मिलाकर १,५०,०००/- रु० की स्थिर निधि बनवायी गयी ।

१. श्रीमती सरोज आहुजा	१०,०००/-
२. श्री बनारसी दास अरोड़ा	१०,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	१०,०००/-
४. श्रीमती शकुन्तला अरोड़ा	५,०००/-
५. श्री जय सिंह कर्षन	५,०००/-
६. श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी	५,०००/-
७. श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल पत्नी-स्व० रामयश जायसवाल	१०,०००/-
८. श्रीमती वेदवती एवं स्व० कुशलदेव शास्त्री	१,००,०००/-
९. श्रीमती मधु अग्रवाल एवं श्री प्रशान्त अग्रवाल	१,००,०००/-
	२,५५,०००/-

४. महिला कल्याण कोष -

महिलाओं की सहायता के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ है । सब राशि को मिलाकर १,६६,१००/- रु० की स्थिर निधि बनाई गई है ।

१. श्रीमती केकनवती बंसल	१,००,०००/-
२. आर्य समाज कलकत्ता	५०,०००/-
३. श्री ईश्वरचन्द्र आर्य	११,०००/-
४. श्रीमती महारानी जायसवाल	५,१००/-
	१,६६,१००/-

५. आर्य समाज कलकत्ता द्वारा कविराज श्री अमृत नारायन झा के लिए १८०००/- की भविष्य निधि के रुप में एक स्थिर निधि करवाई गई है ।

६. वेद वेदांग पुरस्कार कोष :

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल द्वारा स्व० कन्हैयालाल जायसवाल की स्मृति में ५१०००/- का स्थिर निधि करवाया है इसके ब्याज से वेद वेदांग गुरुकुल विद्यापीठ, सुल्तानपुर के होनहार बच्चे को पुरस्कार दिया जा रहा है ।

७. बैंक ऑफ बड़ौदा में आर्य समाज कलकत्ता ने १,००,०००/- का स्थिर निधि किया है ।

८. आर्य समाज कलकत्ता ने २१,०००/- का स्थिर निधि करवाया है । यह स्थिर निधि स्व० कन्हैयालाल जायसवाल की स्मृति में बाल सत्संग के लिए कराया गया इसके ब्याज से बाल सत्संग में व्यय हो रहा है ।

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants

॥ ओ३म् ॥

33/1, NETAJI SBHAS ROAD
Marshall House, Suite No. 637/638
Kolkata - 700 001
(Off.) : 2230 5947
(Mob.) : 98310 18384

FORM NO. 10B
(See Rule 17B)

AUDIT REPORT UNDER SECTION 12A (b) OF THE INCOME TAX ACT-1961 IN THE CASE OF CHARITABLE OR RELIGIOUS TRUST OR INSTITUTION

We have examined the Balance Sheet of **ARYA SAMAJ CALCUTTA** as at 31st March, 2013 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the Trust.

We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the above named trust visited by us so far as appears from our examination of the books, subject to the comments given below :-

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the said accounts give a true and fair view :-

1. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the above named Trust, as at 31st March, 2013 and

2. In the case of the Income and Expenditure Account, of the profit/loss of its accounting year ending on 31st March, 2013.

The prescribed particulars are annexed hereto.

33/1, N.S. ROAD
KOLKATA - 700 001

DATE : THE 26TH DAY OF JUNE, 2013

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

ASST. YEAR 2013-2014

Total Income/Receipts		37,79,504-00
Add : Depriciation disallowed		9,644-00
		37,89,148-00
Less : Expenses during the period as per		
Income and Expenditure Account	3,458,770-00	
Fixed Assets purchased during the yr (As per Schedule 1)	9,82,518-00	
	44,41,.288-00	
	Restricted to	37,89,148-00
	Income	---
	TAX	---
		NIL

ARYA SAMAJ CALCUTTA
President **Mani Ram Arya**
Secretary **Satya Prakash Jaiswal**
Treasurer **Madanlal Seth**

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2013

Liabilities			Assets :	
GENERAL FUND			*FIXED ASSETS*	27,91,313-05
Balance as per last year		51,86,790-61	(As per schedule No. 1)	
ADD: Excess of income over			ADVANCES AMOUNT	78,645-35
expenditure		311,089-96	(As per schedule No. 2)	
		5,497,880-57	CLOSING BALANCE	1,336,106-00
COURPUS FUND			As per schedule No. 3)	
As per last year	604,000-00		SUNDRY DEPOSITS	77,953-00
ADD : During the year	180,000-00	7,8,4,000-00	(As per schedule No.4)	
OTHER LIABILITIES			CASH AND BANK BALANCES	2,413,138-84
(As per schedule 6)		144,510-00	(As per schedule No. 5)	
Deposits : (As per schedule 7)		2,70,765-67		
		6,697,156-24		6,697,156-24

ARYA SAMAJ CALCUTTA
President **Maniram Arya**
Secretary **Satya Prakash Jaiswal**
Treasurer **Madanlal Seth**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATE : THE 26th DAY OF JUNE, 2013

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2013

Expenditure		Income	
To Salaries	1,43,117-00	By Monthly Subscription	37,572-00
To Retirement Provision	1,859-00		
To Printing & Stationery	27,216-00		
To Telephone expenses	2,847-00	By Donation	3,478,478-50
To Building upkeep expenses	199,083-50	(As per schedule 11)	
To Postage & telegram expenses	3,532-00		
To Depreciation (As per schedule 1)	9,644-00		
ToTravelling & Conveyance expenses	5,288-00		
To Miscelleaneous expenses	28,183-00		
To Dayanand dharmarth aushadhalaya	97,790-00		
To Vachanalaya expenses	3,488-50	By Bank Interest	263,453-00
To Vaidic Sahitya Prachar (As per schedule 8)	77,403-00	(As per Schedule 12)	
To Arya Sansar publication expenses	1,00,028-00		
To Arya Gaurav Publication Exp.	7,876-00		
To Student help expenses	3,798-00		
To Festival expenses	2,29,512-00		
To Atithi satkar expenses	7,250-00		
To Dashansh expenses	3,757-20		
To water hut expenses	2,5,072-00		
To Atithishala expenses	2,37,219-00		
To Repairing expenses	4,928-00		
To Daily hawan yagna expenses	58,203-00		
To Mahila kalyan expenses	28,450-00		
To Ved prachar expenses	91,044-00		
To Hawan samagree expenses (As per schedule 9)	9,92,382-34		
To Bank charges	623-00		
To Swasthya & jankalyan expenses	43,348-00		
To Electric expenses	1,17,831-00		
To Annual function (As per schedule 10)	7,62,166-00		
To Gurukul sahayata expenses	20,300-00		
To Annual Election	10,032-00		
To Legal expenses	750-00		
To Accounting Charges	34,036-00		
Bal Kalyan Exp.	46,136-00		
Audit Fees Exp.	3,100-00		
To Desh Bhakti Geet Pratiyogita expenses	150-00		
To Vaidic Pracharch Saheyata	20,900-00		
To Free Eye Operation Camp	20,071-00		
To Excess of income over expenditure being transferred to General Fund	3,11,089-96-40		
	3,779,503-50		3,779,503-50

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

DETAILS OF SCHEDULES TO FINANCIAL YEAR 2012-2013

SCHEDULE -1 FIXED ASSETS AND DEPRECIATION

ASSETS	BALANCES AS ON 1.04.12	ADDITIONS	TOTAL	DEPRECIATION DURING THE YR.	BALANCE AS ON 31.03.13
Building of Arya Samaj Mandir	1,726,033-85	958,817-70	26,84,851-55	-----------	26,84,851-55
Furniture	1,482-00	---------	1,482-00	148-00	1,334-00
Microphones	13,342-00	18,100	31,442-00	2,489-00	28,953-00
Typewriter	400-00	---------	400-00	40-00	360-00
Tape recorder	58-00	---------	58-00	6-00	52-00
Amplifier	120-00	....	120-00	12-00	108-00
Fans	3,846-00	---------	3,846-00	385-00	3,461-00
Steel Almirah	1,091-00	---------	1,091-00	109-00	982-00
Grinding Machine	29,291-00	---------	2 9,291-00	2,929-00	26,362-00
Silver utensils	930-29	---------	930-29	-------- -	930-29
Other utensils	26,761-21	....	26,761-21	---------	26,761-21
Aquaguard	7,687-00	....	7,687-00	769-00	6,918-00
Weighing Machine	6,723-00	....	6,723-00	672-00	6,051-00
DVD Writer	308--00	....	308-00	185-00	123--00
Printer & Computer	366-00	5,600	5,966-00	1,900-00	4,066-00
	1,818,439-35	982,517-70	2,800,957-05	9,644-00	27,91,313-05

SCHEDULE NO. 2

Advance to staff

Shri Suresh Singh	7,926-00	
Sri Bhunesh Singh	8,511-00	
Sri Sudha Shankar Tiwari	4,803-00	
Sri Parmeshwer Das	850-00	
Sri Dhanesh Jha	300-00	22,390-00

OTHERS

Arya Yuwa Shakha	22,514-35	
Light Motors	2,100-00	
Thakur Prasad	1,100-00	
Sri Manoj Kumar	501-00	
Sri A. L. Seth	17,000-00	
Sri B. P. jaiswal	2,503-00	
Associated Art Printers	35-00	
Arya Vidyalaya Titagarh	10,000-00	
Sri Ramjit Jaiswal	502-00	56,255-35
		78,645-35

SCHEDULE NO. 3 CLOSING STOCK

Books	12,22,217-00
Hawan Samagree	1,04,115-00
Hawan Kund	6,120-00
Samidha	3,654-00
	13,36,106-00

SCHEDULE NO.4 SUNDRY DEPOSITS

CESC Ltd. Secrurity	68,490-00
Kalkata Municipal Corporation	2,550-00
Calcutta Telephons	3,000-00
Bharat Gas	2,650-00
T.D.S.	1,263-00
	77,953-00

SCHEDULE NO.5 Cash & Bank Balances

State Bank of Bikaner & Jaipur	
Vivekanand Road Branch	
Saving Bank	42,891-64
A/C No. 51035360000	
ALLAHABAD BANK	
College Street Market Branch	
Fixed Deposit	5,66,828-00
Saving Bank	13,500-00
A/c 50021426498	
Current Account	
A/c. No. 20809463927	8,788,83
Provident Fund Account	5,329-37
ORIENTAL BANK OF COMMERCE	
Fixed Deposit	1,14,600-00
Bank of Baroda	
Fixed Deposit	16,44,586-00
Saving Bank	13,724-50
A/c No. 00250100008996	
MICR Code-700012011	
College Street Bank	
Cash in Hand	2,890-50
	24,13,138-84

SCHEDULE NO. 6

Other Liabilities

V. D. Garg & Co.	3,100-00
Dutta Concern	6,6000-00
Vaidic Anusandhan Trust	35,250-00
CESC Limited	10,160-00
Patit Paban De	16,000-00
Pal Electric	14,000-00
	144,510-00

SCHEDULE NO. 7-DEPOITS

Security deposit	28,000-00
Retirement provision of A.N Jha	23,806-37
Arya Stree Samaj Cal.	2,13,165-50
Arya Pratinidhi Sabha	5,793-80
	2,70,765-67

SCHEDULE NO 8 VAIDIC SAHITYA PRACHAR

Opening Balance	10,76,615-00
ADD : Purchased	95,118-00
: Prakashan Exp.	127,887-00
	12,99,620-00
Less: Closing Stock	12,22,217-00
	77,403-00

SCHEDULE NO 9-HAWAN SAMAGREE EXP.

Opening Balance	25,590-00
ADD : Purchased	10,80,681-34
Total.	11,06,271-34
Less: Closing Stock	113,889-00
	9,92,382-34

SCHEDULE NO.10-Annual function exp.

Electric exp.	58,123-00
Postage exp.	484-00
Misc. exp.	17,494-00
Abinandan Exp.	5,250-00
Pntg. & Stationery	17,270-00
Travelling & Conveyance	26,884-00
Shobha Yatra exp.	82,514-00
Hawan exp.	53,679-00
Food & refreshment	2,40,007-00
Dakshina exp.	1,48,511-00
Advertisement exp.	19,600-00
Pandal exp	75,000-00
Mahila Samaj	1,350-00
Photo Exp	16,000-00
	762,166-00

SCHEDULE NO-11 DONATIONS

General Donation	12,99,105-50
Dayanand Dharmarth Aushdhalaya	5,482-00
Atithishala	4,06,730-00
Annual Function	4,87,680-00
Shrawany Parv	61,746-00
Vedic Sahitya Prachar	1,13,001-00
Hawan Yagya	10,75,034-00
Arya Sansar	10,600-00
By Arya Gaurav	19,100-00
	34,78,478-00

SCHEDULE NO-12 BANK INTEREST

Intt. On CESC deposit	1,672-00
Vaidic Pracharak Sahayata	29,704-00
Student Help	13,876-00
Atithi Satkar	3,020-00
Swasthya & Jankalyan	10,960-00
Ved Prachar	30,045-00
Mahila kalyan	15,676-00
Dharmarth Aushadhyalaya	11,372-00
Annual Function	12,642-00
Prakashan	25,484-00
Daily Hawan	9,436-00
Gurukul Sahayata	21,832-00
Saving bank	11,087-00
Water hut	464-00
Ved Vedang	4,844-00
Bal Puraskar	1,996-00
Special F/D Int.	59,343-00
	2,63,453-00

ARYA SAMAJ CALCUTTA

President **Mani Ram Arya**

Secretary **Satya Prakash Jaiswal**

Treasurer **Madanlal Seth**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATED : THE 26th. DAY OF JUNE, 2013

आनुमानिक आय-व्यय बजट (वर्ष २०१३-२०१४)

खाता	आनुमानिक आय	आनुमानिक व्यय
	रु०	रु०
मासिक चन्दा	40,000	-------
दयानन्द धर्मार्थ औषधालय	18,000	1,00,000
वैदिक साहित्य प्रचार	1,40,000	1,00,000
हवन यज्ञ	11,00,000	11,50,000
बाल कल्याण	------	48,000
विद्यार्थी सहायता	14,000	4,000
आर्य संसार	30,000	1,20,000
आर्य गौरव	12,000	50,000
अतिथि शाला	4,10,000	2,50,000
पर्व खाते	70,000	2,35,000
प्रकाशन	26,000	1,50,000
वार्षिकोत्सव	5,00,000	8,00,000
वेद प्रचार	30,000	70,000
वेतन	——	1,50,000
बिजली	——	1,50,000
भवन प्रबन्ध, मरम्मत एवं रंगाई खर्च	——	2,00,000
टेलीफोन	——	3,000
मार्ग व्यय	——	6,000
स्टेशनरी एवं छपाई	——	30,000
फुटकर खर्च	——	30,000
डाक खर्च	——	4,000
दैनिक यज्ञ	——	60,000
अतिथि सत्कार	3,000	10,000
वाचनालय	——	3,500
गुरुकुल सहायता	22,000	25,000
बैंक खर्च	——	1,000
वैदिक प्रचारक सहायता	30,000	25,000
महिला कल्याण	16,000	30,000
स्वास्थ्य एवं जनकल्याण	11,000	45,000
जनरल दान	13,00,000	——
नेत्र शिविर	---------	22,000
बाढ़ एवं प्राकृतिक विपदा सहायता	——	10,000
कानूनी सहायता	——	31,000
दशांश	——	4,000
अडिट फीस	——	3,100
साधारण सभा	——	10,000
कुल योग	**37,72,000**	**39,29,600**
घाटा–	**1,57,600**	

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

COMPUTATION OF TOTAL INCOME FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2013

Receipts				
INCOME FROM HOUSE PROPERTY				
Rent	36,780-00			
Less : Corporation Tax	-		36,780-00	
Less : 30% thereof			11,034-00	25,746.00
INCOME FROM OTHER SOURCE				
Interest	90,741-00		90,741-00	
Less : Administrative Expenses				
Printing & Stationery	267-00			
Accounting charges	7,000-00			
Repairs Maintenance	30,000-00			
Conveyance	85-00			
Audit Fee	850-00			
Bank Charges	11-00			
Legal Exp	1,250-00		39,463-00	51,278-00
				77,024-00
Less : Not Exceeding15% thereof set appart Income Derived				11,554-00
				65,470-00
Less : Charity & Donation as per I & E A/c			74,675-00	
Less: Deemed to be utilised				
for Asst Yr 2011-12		44,551-00		
for Asst Yr 2012-13		30,124-00	74,675-00	....
Option exercised to be utilised in subsequent year				65,470-00
relating to Asst Year 2012-13	32,796-00	Total Income		NIL
relating to Asst Year 2013-14	65,470--00			
	98,266-00			
	Income tax there on		NIL	
	Less : TDS on FD		12,028-00	
	REFUNDABLE		12,028-00	

For Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Shriram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

FORM NO.10B (SEE RULE 17 B)

Audit Report under section 12 A (b) of the Income-Tax Act, 1961, in the case of charitable or religious trusts or institutions

*I/We have examined the balance sheet of ARYA MAHILA SIKSHA MANDAL TRUST [name of the trust or institution] as at 31st March 2013 and the profit and loss account for the year ended on the date which are in agreement with the books of account maintained by the said Trust.

*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of *my/our knowledge and behalf were necessary for the purpose of the audit. In *my/our openion, proper books of account have been kept by the abovenamed *trust/intitution visited by *me/us so far as appears from examination of the books of accounts. In our openion and to the best of information, and according to information given to *me/us the said accounts give a true and fair view :

(i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the abovenamed *trust/institution as at 31st March 2013 and

(ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31st March 2013

For MADANLAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
P. K. Agarwal, Proprietor Mem. No. 55900

Kolkata - 700 001
Date : The 18th. day of June 2013

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2013

Liabilities		Net Amount
Cropus Fund Accont :		
As per last Balance Sheet	4,50,000-00	
Add.: Received during the year	______	4,50,000-00
TRUST FUND ACCOUNTS :		
Balance as per last A/c	1158,391-27	
Add : Excess of Income		
over expenditure Account	13,383-00	11,71,774-27
Ear market Fund :		
Late Swarna Lata Khanna	5,000-00	
Chairanjilal Bahari Memorial		
fund	5,000-00	10,000-00
Current Liabilites & Provisions		
S.K. Maniruddin	30,000-00	
Legal expenses payable	1,250-00	
Madanlal & Associates	850-00	32,100-00
		16,63,874-27

Assets		Net Amount
Fixed Assets		
Building		2,00,000-00
Current Assets		
Cash & bank balances		
Cash in Hand (As Certified)	2,870-40	
Allahabad Bank		
(Saving Account)	1,34,479-87	1,37,350-27
Deposit with Rent Control		954-00
TDS		
Asst. Yr. 2007-08	3228-00	
Asst. Yr. 2008-09	4358-00	
Asst. Yr. 2010-11	306-00	
Asst. Yr. 2011-12	3,991-00	
Asst. Yr. 2012-13	1659-00	
Asst. Yr. 2013-14	12,028-00	25,570-00
Allahabad Bank F/D		13,00,000-00
		16,63,874-27

Kolkata

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
(P.K. Agarwal)
Proprietor

Dated the 18th day of June 2013 Memo No. 55900

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

Sd/- **Sree Ram Arya** *President*

Sd/- **Achchhelal Seth** *Secretary*

Sd/- **Deepak Arya** *Treasurer*

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2013

Expenditure	Net Amount	Income		Net Amount
Charity& donation	74,675-00			
Printing & Stationery	267-00	By Rent		36,780-00
Acounting charges	7,000-00			
Legal Expenses	1,2,50-00	Interest		
Conveyance	85-00	Int. on Bank FD (TDS 12,028-00)	60,128-00	
Repairs & Maintenance	30,000-00	From Bank on Saving Bank	30,613-00	90,741-00
Audit fees	850-00			
Bank Charges	11-00			
Surplus Over Expenditure transferred to Trust Fund A/c	13,383-00			
	1,27,521-00			1,27,521-00

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Sreeram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
(P.K. Agarwal)
Proprietor

Kolkata

Dated the 18th day of June, 2013 Memo No. 559000

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

Sd/- **Sree Ram Arya** *President*

Sd/- **Achchhelal Seth** *Secretary*

Sd/- **Deepak Arya** *Treasurer*

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2013

Liabilities		Net Amount	Assets		Net Amount
General Fund:			**Steel Almirah**		
As per last year	3,06,619-60		As per last year	5,263-00	
Less.: Deficit	82,895-69	2,23,723-91	Less : Depreciation @ 10%	526-00	4,737-00
Current Libities			**Furniture**		
Audit fees		1,100-00	As per last year	1051-00	
Radheshyam Agrahari (A/c Charges)		5,000-00	Less : Depreciation @ 15%	158-00	893-00
			Fixed Deposit		
			Syndicate Bank with Acered Intt		1,58,118-03
			TDS		
			A. Y. 2010-11		575-2 8
			Advance		
			Ayra Samaj Calcutta		35,250-00
			Cash At Bank		
			Advances		
			Syndicate Bank Burrabazar Branch, Kolkata S.B. A/c No. 95052010003230		27,453-35
			Cash In Hand		2,797-25
		2,29,823-91			2,29,823-91

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	Trustee	Trustee
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2013

Expenditure		Net Amount	Income	Net Amount
To Printing & Stationery		25-00	By S. B. Interest	2,642-76
To Conveyance		98-00	By F.D. Interest	12,860-98
To Acounting charges		5,000-00	By Donations	3,603-00
To Prakasion Exp.		94,282-00	Deficit During the Year	82,895-69
To Depreciation :				
Almirah	526-00			
Furniture	158-00	684-00		
To Legal Expenses		750-00		
To Audit fees		1,100-00		
To IT Refundable Written off		63-43		
		1,02,002-43		1,02,002-43

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	Trustee	Trustee
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

33/1, N. S. Road
Kolkata - 700 001

For V. D. Gurg & Co.
Chartered Accountants
(Vishamber Dayal
Proprietor

Dated the 18th. day of April, 2012 Memo No.050131

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

Asst. Year 2013-2014

Total Income/Receipts			19,107-00
Add : Depreciation disallowed			684-00
			19,791-00
Less : Application of funds :			
: Income & Expenditure account	102,002-00		
:			
: Surplus accumulation			
restricted to the extent of 15%	....		1,02,002-00
		Deficit	8,2,211-00
	TAX		Nil

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	*Trustee*	*Trustee*
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet as at 31st March, 2013 of **VAIDIK ANUSANDHAN TRUST** and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of accounts submitted to us.

33/1, N. S. Road,

Kolkata - 700 001

Date : The 18th. . day of April, 2013

For V.D. GARG & CO.

Chartered Accountants

(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
Mem. No. 050131

Arya Stree Samaj Calcutta

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

Income and Expenditure Account for the Year Ended 2012-2013

Expenditures		Income	
Salaries	4,350.00	General Donations	24,221.00
Dakshina	5,556.00		
Yagya & Prasad exp.	1,583.00	Suscriptions	9,072.00
Misc. Exp.	4,343.00		
Annual function	9,153.00	Bank interest	18,110.00
Donations	2,100.00		
Accounting Charges	700.00		
Stationery Expenses	100.00		
Repairing Charges	1,220.00		
Depriciation	650.00		
Bal Satsang	6,000-00		
Surplus During the year	16,648.00		
	51,403.00		51,403.00

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2013

Liabilities		Assets	
General Find		Allahabad Bank FDR	2,10,649.00
Opening balance	2,07,540.50	Arya Samaj Calcutta	2,516.50
Add : surplus	16,648.00	Musical instruments	3,666.00
		Ved Sets	3,970.00
		Mike Set	2,187.00
		Cash in hand	1,200.00
	2,24,188-50		2,24,188-50

President :	*Secertary :*	*Treasurer*
Smt. Santosh Goyal	Smt. Pravina Jaiswal	Smt. Kavita Agarwal

Arya Samaj CalcuttaYuwa Shakha

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

Trial Balance for the Year Ended 2012-2013

Income		Expenditures	
Arya Samaj Calcutta	22,514-35	Blood Donation Camp Exp.	26,930-00
Donations		Desh Bhakti Geet Pratiyogita	40,546-00
Desh Bhakti Geet Pratiyogita	29,900.00	Free Eye Operation Camp	49,780-00
Free Eye Camp	61,156-00	Printing & Stationery	6,942-00
Blood Donation Camp	26,385-00	Cash in hand	29,513-35
General Fund	13,756-00		
	1,53,711-35		1,53,711-35

Income and Expenditure Account for the Year 2012-2013

Expenditures		Income	
Blood Donation Camp Exp.	26,930-00	**Donations**	
Desh Bhakti Geet Pratiyogita	40,546-00	Desh Bhakti Geet Pratiyogita	29,900.00
Free Eye Operation Camp	49,780-00	Free Eye Camp	61,156-00
Printing & Stationery	6,942-00	Blood Donation Camp	26,385-00
		Deficit during the year	6,757-00
	1,24,198-00		1,24,198-00

Balance Sheet as on 31st March 2013

Liabilities			Assets	
Arya Samaj Calcutta		22,514-35	Cash in hand	29,513-35
General Fund	13,756-00			
Less Deficit	6,757-00	6,999-00		
		29,513-35		29,513-35

Chairman :
Vivek Seth

आर्य समाज कलकत्ता के वर्ष २०१२-१३ के सभासदों की सूची

१. श्री लक्ष्मण सिंह
२. श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
३. श्री अमर सिंह सैनी
४. श्री लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल
५. श्री श्रीराम आर्य
६. श्री राधेश्याम आर्य
७. श्री मनीराम आर्य
८. श्री पंडित आत्मानन्द शास्त्री
९. श्री हरिशंकर ठाकुर
१०. श्री घनश्याम मौर्य
११. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
१२. श्री छोटे लाल सेठ
१३. श्री मदन लाल सेठ
१४. श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल
१५. श्री प्रेम शंकर जायसवाल
१६. श्री सन्तोष सेठ
१७. श्री सतीश आर्य
१८. श्री विनय कुमार आर्य
१९. श्री राजमणि वर्मा
२०. श्री दीपक आर्य
२१. श्री राम अचल प्रजापति
२२. श्री अच्छेलाल सेठ
२३. श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता
२४. श्री आशाराम जायसवाल
२५. श्री सुरेश चन्द्र जायसवाल
२६. श्री मोती लाल साव
२७.. श्री शिवकुमार जायसवाल
२८. श्री ध्रुव चन्द जायसवाल
२९. श्री विजय प्रकाश जायसवाल
३०. श्री अच्छेलाल जायसवाल
३१. श्री हरीराम आर्य
३२. श्री लक्ष्मीकान्त साह
३३. श्री योगेशराज उपाध्याय
३४. श्री कृष्ण कुमार जायसवाल
३५. श्री विवेक सेठ
३६. श्री सुदेश कुमार जायसवाल
३७. श्री धर्म देव सिंह
३८. श्री पंडित देवनारायण तिवारी
३९. श्री अजय कुमार सेठ
४०. श्री सत्येन्द्र जायसवाल
४१. श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
४२. श्री ज्ञानेश्वर जायसवाल
४३. श्रीमती माधुरी साह
४४. श्री मन्नालाल सेठ
४५. श्री सतीश चन्द्र जायसवाल
४६. श्री विवेक जायसवाल
४७. श्री शीतल प्रसाद आर्य
४८. श्री नन्दलाल सेठ
४९. श्री मदनलाल लाहोटी
५०. श्री महेन्द्र जायसवाल
५१. श्री सिद्धार्थ गुप्त
५२. श्री प्रभाकर सेठ
५३. श्रामती विद्यावती सिंह
५४. श्री आनन्द सेठ
५५. पं० उमाकान्त उपाध्याय
५६. पं० नचिकेता भट्टाचार्य
५७. श्रीमती प्रभावती उपाध्याय
५८. श्रीमती सरोजिनी शुक्ला
५९. श्री हीरालाल जायसवाल
६०. श्री अजय कुमार गुप्ता

६१. श्री विश्वनाथ पोद्दार
६२. श्री शिवदास
६३. श्री द्वारका प्रसाद जायसवाल
६४. श्री अरविन्द जायसवाल
६५. श्री रतन सेठ
६६. श्री रंजीत कुमार झा
६७. श्रीमती प्रवीना जायसवाल
६८. श्रीमती सुशीला पाठक
६९. श्रीमती सत्यवती जायसवाल
७०. श्रीमती चन्दा देवी जायसवाल
७१. श्रीमती विद्या सिंह
७२. श्रीमती सावित्री जायसवाल
७३. श्रीमती गीतारानी जायसवाल
७४. श्रीमती सत्यवती गुप्ता
७५. श्रीमती सन्तोष गोयल
७६. श्रीमती सुशीला दम्माणी
७७. श्रीमती सुनीता जायसवाल
७८. श्रीमती जानकी झा
७९. श्रीमती रामदुलारी जायसवाल
८०. श्रीमती आशा अरोड़ा
८१. श्रीमती साधना देवी जायसवाल
८२. श्रीमती कविता अग्रवाल
८३. श्रीमती गीता आर्या
८४. श्रीमती भारती रक्षित
८५. श्रीमती लीना दमानी उपाध्याय
८६. श्रीमती बीना सेठ
८७. श्रीमती भारती जायसवाल
८८. श्रीमती सरस्वती आर्या
८९. श्रीमती सुशीला जायसवाल
९०. श्रीमती उमा जायसवाल
९१. श्रीमती सुषमा गोयल

डॉ० भारतीय जी के जन्म ग्राम परबतसर में आर्यसमाज स्थापित

राजस्थान के नागौर जिले के परबतसर ग्राम में गत २ नवम्बर २०१२ को स्वामी सुमेधानन्द जी (पिपराली आश्रम) के कर कमलों द्वारा आर्यसमाज की स्थापना रेलवे स्टेशन के निकट के भवन में की गई । इसका सम्पूर्ण श्रेय इसी ग्राम के आर्य पुरुष श्री जस्साराम जी को है । जिन्होंने इस अवसर पर वानप्रस्थ की दीक्षा ली । तृतीय आश्रम में वे यश मुनि कहलायेंगे । स्मरण रहे कि परबतसर में १९२८ में प्रसिद्ध आर्य विद्वान् लेखक डॉ० भवानीलाल भारतीय का जन्म हुआ था जहां उनके पिता स्व० फकीरचन्द जी वकालत करते थे । इस नव स्थापित आर्यसमाज में एक ब्रह्मचारी जी स्थायी रूप से रहते हैं और नित्य यज्ञ सम्पन्न होता है । अपने जन्म ग्राम की इस आर्यसमाज को डॉ० भारतीय ने अनेक पुस्तकों से युक्त एक स्टील अलमारी भेंट की हैं ।

प्रेषक—**डॉ० गौरमोहन, मन्त्री आर्यसमाज, श्री गंगा नगर**

Donations for 127th Annual Function

	Rs.
M/s. Anandilal Poddar Charitable Trust	51000
Shri Saksham & Samiksha	51000
M/s. Magma Leasing Ltd.	11,000
M/s. Crown Insfratucture Pvt Ltd	15000
Shri Vijay Kumar Jaiswal	11,000
M/s. H.V. Sharada Memorial Trust	15,000
M/s. Resshi (A. One) Exports	11000
M/s. Raja & Mitsu Fashions	11000
Shri Dwarika Prasad Jaiswal	5100
Shri Arun Kumar Jaiswal	5100
Shri Jagannath Prasad Jaiswal	5100
M/s. Arya Sundra Devi Jankalayan Trust	5100
M/s. M. R. Khoradia Sewa Nyas	5100
M/s. Drillmech Engineers	5100
M/s. Techno Spares	5100
M/s. Technical Spares	5100
M/s. Kashiram Earthmovers	8500
M/s. Soorajmull Baijnath Pvt. Ltd.	6100
M/s. Everright Trading Co.	5100
M/s. Baluram Gupta Manharewala Charitable Trust	5100
M/s. P. R. Trading Co.	7500
M/s. R. J. Distributors	5100
Shri Lakshmi Kant Jaiswal	5,120
M/s. Charu Enterprise	3,100
M/s.Santi Swaroop Gupta Charitable Trust	4,000
Shri Jagdish ji Arya	3,100

	Rs.
Shri Ashok Shaw	4000
M/s. Ashok Kumar Sriwastav & Bros	3,100
M/s. Vijay Spares Corporation	3,100
M/s. Earthco India	3,100
M/s. Raj & Raj	3,100
M/s. Khanna Motor Trading School	5,000
Shri Vinod Kumar Jaiswal	3001
M/s. Princep Corner	3,100
Shri Lakshmi Prasad Gupta	1,100
Shri Jagdish Narayan Indra Bahadur Singh	1,100
M/s. Bharat Luhariwala	1,100
M/s. Dayaram & Brothers	1,500
M/s. Bijay Enterprise	1,100
M/s. Nath Brothers	1,100
M/s.R.Bee Trading Co.	1,100
M/s.Modern Chain Corporation	1,100
M/s. Kamla Prasad Jawala Prasad & Co.	1,100
M/s. Moving Chain Centre	1,100
Shri Hari Prasad Jaiswal	1,001
Shri Mahendra Kumar Jaiswal	1,101
M/s. Surajmukhi Mundra	1,000
Shri Chand Ratan Damani	2,100
M/s. Jaiswal Sawa Sangh (Kalitalla) Trust	2,500
M/s. J.P. Steel Udyog	2,100
M/s. New Look (Rajesh Narayan)	2,100
M/s. Shourya Industries	1,100

	Rs
M/s.Santosh Sanitaryware Pvt. Ltd.	2,100
Shri Vijay Kumar Dubey	1,100
M/s. Anurag Verdhan	1,100
Shri Shasi Bhusan Sriwastav	1,500
M/s. Spares India	1,100
M/s.Bharat Industrial Corporation	2,100
M/s.Omex India Sales Pvt. Ltd.	2,500
Shri Sandep Kumar Jaiswal	1001
Shri Deepack Kumar Arya	1001
Shri Sunil Kumar Jaiswal	1100
Shri Mawalal Suresh Chand	2,100
M/s.Spare Part Enterprises	1,500
Shri Susil Gupta	2,501
Mrs. Manju Arya	1,100
Shri Surajlal Arya	1,100
Shri Ashok Chand Jaiswal	1,100
M/s Indian Instrument Mfg. Co.	2,500
M/s Raju Brothers	1,100
Shri Ashok Arya	1,100
M/s. Prabhawati Devi Upadhyay	2,100
Mrs. Sita Gupta	1,100
M/s Raghpat & Brothers	2,100
Shri Satya Narayan Deoralia	1,100
Shri Manikchand Shaw	1,100
Shri Chandra Kant Gupta	1,100
Shri Ram Poojan Verma	1,100
M/s Bharat Marketting Co.	1,100
Mrs. Shanti Devi Gupta	1,005
Shri Jay Prakash Jaiswal	1,100
M/s Machino Part of India	1,100

	Rs
M/s Shiv Trading Corporation	1,100
M/s Tal Brothers	1,100
Shri Asharam Jaiswal	1,100
M/s Tracto Diesel Enterprise	1,000
M/s Subham Earth Movers	1,100
M/s Kohinoor Engineering Co.	1,100
Mrs. Santi Devi Shaw	1,100
Shri Neresh Kumar Gupta	1,100
M/s Evergreen Enterprise	1,100
Mrs. Gayatri Devi Gupta	1,000
Shri Binay Kumar Arya	1,000
Shri Santosh Maskara	1,100
Shri Satish Chandra Jaiswal	1,101
Shri Hari ran Arya	1,100
Shri Jugal Kishor Goel	1,100
Shri Om Prakash Maskara	2,001
Shri A.L. Seth (by Coupan)	1,040
Shri Pramod Agarwal	2,100
Shri Fulchand Arya	1,100
Mrs. Susila Devi Jaiswal	1,100
M/s B.S. Singh & Brothers	501
Shri Adya Prasad Jaiswal	501
Shri Narsingh Narayan Shaw	501
M/s. Enter Sales Agency	501
Shri Raj Kumar Shaw	500
M/s. R.C. Trading Co	. 500
M/s Diamond Chain Corporation	750
Shri Kailash Chand Subhas Chand	751
Mrs. Bhagwati Devi Agarwal	500
Mrs. Gomati Devi Agarwal	500

	Rs.
Mrs. Neelam Agarwal	500
Mrs. Bimala Devi Agarwal	500
Mrs. Jayshree Agarwal	500
Shri Surendra Kumar Arora	500
Shri Nirdosh Kumar Agarwal	500
Shri Rajendra Prasad Gupta	551
M/s. Tirupati Machinery Spares	751
M/s. Anil Kumar Manchanda	500
Shri Amar Singh Saini	500
Shri Jagropan Ram	501
M/s. Ashok Kumar & Brothers	500
Shri Ramendra	500
M/s. Durga Trading Co.	500
Mrs. Surajmukhi Mundra	1000
M/s. Jagriti Metal Merchant Association	501
Shri Sajjan Bindal	500
Shri satyendra jaiswal	501
Shri Ganesh Prasad Jaiswal	501
Shri Sahseo Ram Shaw	501
M/s. A. Arbind & Co.	1000
Shri Amarnath Jaiswal	500
Shri Panchlal Yadaw	500
Mrs. Susila Manju Agarwal	501
Mrs. Nirmala Devi Jaiswal	500
Shri Surendra Kumar Agarwal	500
Shri Kamalnath Manaktala	500
Shri Naresh Kumar Sriwastav	501
M/s. The New Calcutta Gasket Mfg. Co.	750
M/s. Glatel Impex	501

	Rs.
M/s. Machinery Supply Agency	500
Shri Lakhi Prasad Jaiswal	500
Shri Abha Jaiswal	501
Mrs. Bela Jaiswal	501
Mrs. Susma Jaiswal	501
Shri Rajendra Kumar Agrahari	501
Shri Ram Phool Jaiswal	501
Shri Ram Surat Kumud Mishra	1000
Shri Chand Ratan Damani	500
Shri Satya Prakash Jaiswal	1000
Shri Dipankar Jati	501
Shri Somdeo Agarwal	500
Shri Shyanlal Agarwal	500
Shri J. R. Arya	500
Arya Samaj Sihore Madhya Pradesh	750
Shri Bageshwariram Shivnarayan	500
Shri Ved Prakash Jaiswal, Rajaram Shastri	501
Shri ganguram jaiswal	500
Shri Ajay Kumar Jaiswal	500
Shri Prem Seth	600
M/s. Eastern earth Movers	501
M/s. Commercial Traders	500
M/s,Machino Enterprise	500
M/s. Heavy Eqipment P.D.	551
M/s. Track Parts Distributors	550
M/s. Girish Bhai	500
M/s. Stores Spares Agency	500
M/s. Samrat Earth Movers	500
Mrs. Urmila Devi Jaiswal	500
M/s. India Spares Co.	500

	Rs.
Sri Vikash Seth	500
Sri Fulchand Gupta	500
Sri Devendra Singh	501
M/s. Automotive International	500
Shri Suyash Seth	500
Shri Sudesh Kumar Jaiswal	505
Shri Sanjay Kumar Agrahari	500
Sri Basant Kumar Singh	501
Shri Satish Arya	501
Shri Gorakh Prasad jaiswal	500
Shri Shyam Jaiswal	500
Mrs. Mamta Jaiswal	501
Shri Archana Seth	502
M/s. Sriram Satyprakash	551
Shri Rajendra lal Shaw	500
Shri Ram Gopal Gupta	500
Shri Ratul Borh	500
Shri Ved Prakash Gupt	501
Mrs. Sita devi	501
Shri Bimal Jaiswal	505
Shri Kali Prasad Jaiswal	501
Shri Ranjeet Kumar Jha	500
Shri Tarak Nath Jaiswal	500
Shri Arvind Chand Shaw	251
Shri Mani Shankar Shaw	251
Shri Deo Narayan Shaw	251
Shri Sukhram Jaiswal	251
Shri Manoj Kumar Shaw	251
Shri Bajrangilal Shaw	251
M/s. Bhagwan das & Sons	251

	Rs.
Shri Dhrub Chand Shaw	250
Shri Thakur Prasad Shaw	251
Shri Mawalal Shaw	151
Mrs Susila Agarwal	200
Mrs. Lina Damani Upadhyay	201
Mrs. Babita Goel	201
Mrs Gomati Devi Agarwal	101
Shri Rajshree Agarwal	200
Shri Shashi Kapoor	100
Mrs. Rina Halder	100
Mrs. Nirmala Gupta	101
Mrs. Gita Arya	200
Shri Nand Kumar Das	100
Shri Arun Prasad jaiswal	251
Shri Bhagwati Prasad Jaiswal	151
Shri Ramjash Hiralal	250
Shri Chunnilal Jaiswal	201
M/s. Gautam Bearing Stores	251
Shri Sudhir Babu	250
Shri Santanu Biswas	100
Shri Arun Kumar Jaiswal	100
Shri Lalchand & Shaw	100
Shri Devendra Kumar Jaiswal	200
Shri Dinendra Jaiswal	200
Shri Jogendra Jaiswal	100
M/s. M. I. Alloy	100
M/s. Jaiswal Steel Corporation	100
M/s.Rajesh Steel	100
M/s Ramjeet Steel	100
M/s. Rajesh Tubes	250

	Rs.
M/s. B. M. Traders	201
M/s Rahul Enterprise	250
Shri Arun Kumar Anup Kumar	150
Shri Kapur Chand jaiswal	150
Shri Gyan Chand Arya	400
Shri Khushal Chand Arya	351
Shri Kali Prasad Arya	101
Shri Motilal Shaw	101
Shri Subigya Gupta	201
Shri Dipak Prakash Shaw	301
Shri Suresh Gupta	251
Shri Shiv Pujan Jaiswal	250
Ms. Meena Jaiswal	250
Shri Kali Prasad Seth	151
Shri Dayaram Jaiswal	151
Shri Shradha Jaiswal	100
Ms. Seema Jaiswal	201
Shri Kanhai.Lal Arya	300
Shri Madan Lal Arya	100
Shri Orilal Jaiswal	101
Shri Bhima Jaiswal	101
Mrs. Uma Jaiswal	101
Shri Subhash Jaiswal	250
M/s. Gita Steel	100
Shri Gyan Chand Dhyan Chand	100
M/s. H.B. Trading Co.	250
Shri M.L. Gupta	101
M/s. Mahalakshmi Ispat Udyog	250
M/s. Shri Krishna Iron Trading Co.	250
Shri Bhagwati Babu	101

	Rs.
Shri Lal Chand Madanlal	251
Shri Jamunaram Vishwanath Prasad Shaw	100
M/s. Chandi Prasad & Sons	101
M/s. Ganpati Steel	101
Shri Dhiraj	100
Shri Arbind Babu	100
Shri Shiv Kumar Gupta	100
Mrs. Pratima Jaiswal	101
M/s. Jaiswal Steel Corporation	201
Mrs. Sadhna Jaiswal	201
Mrs. Chanda Jaiswal	151
Mrs. Susila Jaiswal	151
Mrs. Bandana Gupta	100
Shri Nand Kishore Prakash Prasad	251
M/s. Nirmal jaiswal & Reeta Yadaw	151
Mrs. Gayatri Jaiswal	101
Mrs. Birma Devi Verma	200
Shri Uttam Jaiswal	101
Shri Pannalal Jaiswal	101
Shri Kailash Gupta	201
Mrs. Meeta Sharma	101
Mrs. Sundary Chaudhary	101
Mrs. Sikamser	101
Mrs. Pramila Jaiswal Pratima Jaiswal	200
Mrs. Meena Singh	100
Shri Ved Prakash Jaiswal	201
Shri Satyaprakash Jaiswal	251
Mrs. Praveena Jaiswal	251
Mrs. Bharati Rakshit	151

	Rs.		Rs.
Mrs. Shashi Prabha Jaiswal	251	Mrs. Usha Jaiswal	101
Mrs. Susma Jaiswal	251	Mrs. Neelam jaiswal	101
Mrs. Richa Jaiswal	102	Mrs. Shobha Jaiswal	105
Mrs. Satyawati Jaiswal	251	Mrs. Savitri Jaiswal	151
Mrs. Sheela Verma	100	Mrs. Pratima Arya	151
Mrs. Vidya Singh	100	Mrs. Nirmala Devi	101
Mrs. Ranjeeta Verma	200	Mrs. Krishnawati Jaiswal	110
Mrs. Aksharwa Shaw	100	Mrs. Satyawati Gupta	101
Mrs. Beena Seth	200	Mrs. Maya Gupta	101
Shri Akash Jaiswal	200	Mrs. Sunita Jaiswal	201
Arya Samaj Ranchi	100	Mrs. Gitarani Jaiswal	251
Shri Shiv Shankar	101	Mrs. Sumitra Devi Jaiswal	111
Shri Prem Chand Arya	101	Mrs. Saroj Jaiswal	100
Mrs. Renu Agarwal	101	Shri R. N. Seth	201
Mrs. Kamala Devi Agarwal	101	Mrs. Parul Devi	151
Shri Rahul Agarwal	101	Shri Mritunjay Kumar Singh	100
Mrs. Baishali Agarwal	101	Shri Laksmi Narayan Bhagat	101
Shri Kali Prasad Jaiswal	101	Arya Samaj Barharwa	201
Shri Bijay Arya	101	Shri Bibhusan Pandit	150
Shri Ghanshyam Seth	201	Shri Satish Chand Pandit	100
Shri Gaurav Shaw	105	Shri Shyam Sundar	201
M/s. Bhagwan Das & Sons	251	Shri Anuj Prasant	101
Shri Rajesh Seth	101	Shri Aditya Jaiswal	101
Shri N. K. Beri	101	Shri Daram Deo Singh	100
Shri Munilal Arya	200	Shri Gautam Chaubey	102
Shri Bijay Kumar Agarwal	101	Shri Satish Kumar Gupta	150
Mrs. Thakur Devi Seth	251	Mrs. Sunita Kapur	101
Mrs.Sushila Pathak	400	Shri Vijay Kumar Agarwal	191
Shri Bhupendra Roy	100	Shri R. C. Chandel	250
Shri K. Jaiswal	201	Shri Dayanand Jaiswal	251

	Rs.		Rs.
Shri Sonal Seth	201	Mrs. Sarada Jaiswal	101
Mrs. Susma Soni	201	Mrs. Bimla Agrahari	101
Shri Sharma Ji	101	Mrs.Sangita Ram Dulari Jaiswal	251
Mrs. Premlata Jaiswal	101	Mrs. Saraswati Gupta	201
Shri Viswanath Arya	101	Mrs. Kavita Jaiswal	101
Shri Radheshyam Jaiswal	201	Mrs. Urmila Jaiswal	101
Mrs. Shaw & Sons	201	Mrs. Premlata Jaiswal	101
Shri Sarvind Arya	201	Shri Brijesh Shaw	100
Pt. Madhusudan Shastri	101	Shri Ganesh Chaubey	101
Shri Vishwajeet Maity	101	Shri Dharam Dev Singh	100
Shri Arun Kumar Jaiswal	101	Shri Gaur Ghose	100
Shri Ramendra Narayan Saha	100	Miscellaneous	200
Shri Ram Ayodhya Shaw	250	Shri Jeehu Pandit	202
Shri Sanjay Kumar Gupta	250	Shri Pranav Pal	300
Shri P. Pal	100	Shri Narad Maity	300
Shri Swatantra Kumar Arya	150	M/s. Sumit Steel Co.	201
Shri Awadesh Anupa Arya	250	Shri Sanjay Verma	100
Pt. Acharya Brahmadattaji	101	Shri Vikramaditya Arya	100
Shri Deen Dayal Gupta	201	Shri Ramlal Jaiswal	101
Shri Subhadra Mishra	305	Mrs. Janki Devi Jha	151
Shri Prabodh Kumar Gupta	101	Shri Ajit Jha	101
Shri M. Mujumdar	100	Shri Radheshyam Shaw	201
Shri Shiv Kumar Agrahari	351	Shri Sanjay Kumar Jaiswal	151
Mrs. Ruchika Jaiswal	100	Shri Hargauri Bhagat	101
Shri Jai Ram Shaw	101	Shri Parasnath Prasad	111
Shri Annapurana Sadhu	151	Shri Chakradhar Pandey	105
Mrs. Shobhawati Devi	100	Shri Ram Achal Prajapati	201
Mrs. Reena Jaiswal	101	Shri Dilip Kumar Jaiswal	251
Mrs. Satyawati Arya	251		

(१००/- से नीचे की दानराशि नहीं छापी गयी है)

आर्य समाज कलकत्ता के प्रकाशन

पुस्तक विक्रेता, आर्य संस्थाओं, उपदेशकों को ४० प्रतिशत की छूट दी जाती है।

	पुस्तक का नाम	लेखक/सम्पादक	मूल्य
१.	युग निर्माता सत्यार्थ प्रकाश-संदर्भ दर्पण (ऐतिहासिक संदर्भ में सत्यार्थ प्रकाश की यात्रा का दस्तावेज)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
२.	स्वामी दयानन्द का राजनीति दर्शन (स्वामी दयानन्द के राजनीत दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन)	डॉ० लाल साहेब सिंह	५०.००
३.	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की देन (उन्नीस उत्कृष्ट निबंधों का संग्रह)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय द्वारा सम्पादित	१५.००
४.	त्रैतवाद का उद्भव और विकास (त्रैतवाद का उसके उद्भव और विकास के वैशिष्ट्य को स्पष्ट करने वाला दर्शन का शोधपूर्ण ग्रंथ)	डॉ० योगेन्द्र कुमार शास्त्री	२०.००
५.	उपनिषद् रहस्य (ईश केन और प्रश्न उपनिषदों की सारगर्भित व्याख्या)	महात्मा नारायण स्वामी ''सरस्वती''	२०.००
६.	श्री श्री दयानन्द चरित	श्री सत्यबन्धुदास	१०.००
७.	महर्षि दयानन्द की देन (निबन्धों का संग्रह)	आर्यसमाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित	३०.००
८.	धर्मवीर पं० लेखराम	स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती	५०.००
९.	आनन्द संग्रह (स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज के उपदेशामृत)	वीतराग स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज	२५.००
१०.	भाई परमानन्द (बलिदानी वंश के कुलदीपक की अमर कहानी)	श्री बनारसी सिंह	१०.००
११.	धर्म का आदि स्रोत	पं० गंगाप्रसाद जी	३०.००
१२.	संकल्प सिद्धि (विचारों के संकल्प विकल्प का अनोखा चिन्तन)	स्वामी ज्ञानाश्रम	३०.००
१३.	ज्योतिर्मय (श्रीयुत् टी. एल. वास्वानी द्वारा लिखित (Torch Bearer) का हिन्दी अनुवाद	टी.एल. वास्वानी	३०.००
१४.	वेद-वैभव	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१५०.००
१५.	कर्मकाण्ड	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१०.००
१६.	स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान	ले० सत्यप्रिय शास्त्री	५०.००
१७.	आर्यसमाज कलकत्ता का इतिहास	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	८०.००
१८.	मेरे पिता	इन्द्र विद्यावाचस्पति	५०.००
१९.	वेद और स्वामी दयानन्द	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२०.	व्यतीत के यश की धरोहर (महासम्मेलनों के संस्मरणात्मक आकलन)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	६०.००
२१.	Torch Bearer	टी० एल० वास्वानी	३५.००
२२.	पं० गुरुदत्त लेखावली	मुनिवर पं० गुरुदत्तजी 'विद्यार्थी'	२५.००
२३.	प्रार्थना प्रवचन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५०.००
२४.	सन्ध्यारहस्य एवं संध्या अष्टांग योग	प्रो० चमूपति एवं स्व० आत्मानन्द (एक जिल्द)	३०.००
२५.	बंगाल शास्त्रार्थ	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२६.	वेद में गोरक्षा या गोवध	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५.००
२७.	वेद रहस्य	महात्मा नारायण स्वामी जी	३५.००
२८.	वेद वन्दन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००
२९.	राज प्रजाधर्म प्रबोधभाष्य	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
३०.	वेद वीथिका	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००

आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी कोलकाता - ६ के लिए पं० उमाकान्त उपाध्याय, एम०ए० द्वारा प्रकाशित तथा एशोशियेटेड आर्ट प्रिण्टर्स, ७/२, विडन रो, कोलकाता-६ में मुद्रित। मो. : ९८३०३७०४६३